सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 312 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 26 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भाजपा की नई लिस्ट जारी, पहले चरण के 15 उम्मीदवारों के नाम में कोई बदलाव नहीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने नई लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 15 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। पहले चरण के प्रत्याशियों के नाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले, सोमवार को भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। हालांकि कुछ समय बाद ही इस लिस्ट को वापस ले लिया गया था। भाजपा की पहली लिस्ट में 44 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया था। पहले चरण के 15, दूसरे चरण के दस और तीसरे चरण के 19 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी।

पहली लिस्ट में पूर्व डिप्टी सीएम निर्मल सिंह को टिकट नहीं दिया गया था। 2014 में निर्मल सिंह ने बिलावर विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। इनके साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता को भी टिकट नहीं मिला था। बताया जा रहा है कि उनका नाम अगली सूची में हो सकता है। इस सूची में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना का भी नाम नहीं था।

पहले चरण के प्रत्याशी

इंजीनियर सैयद शौकत गयूर पांपोर से, अर्शीद भट राजपोरा से, जावेद अहमद कादरी शोपियां से, मोहम्मद रफीक वानी अनंतनाग पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे। एडवोकेट सैयद वजाहत अनंतनाग से, शगुन परिहार किश्तवाड़ और गजय सिंह राणा डोडा से चुनाव लड़ेंगे। श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ शानगुस अनंतनाग से वीर सराफ चुनाव मैदान में होंगे। इंदरवल से तारिक कीन, पाडेर नागसेनी सीट से सुनील शर्मा, भदरवाह से दिलीप सिंह परिवार चुनाव मैदान में होंगे। बनिहाल से सलीम भट्ट, रामबन से राकेश ठाकुर और डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार शामिल हैं।

हटाए जाएंगे 'अंगद पाँव' वाले अध्यक्ष

बैज को मिला फ्री हैंड, खाली पदों पर भी जल्द हो सकती है नियुक्तियां

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। संगठन जिलों में अंगद के पैर की तरह जमे बैठे अध्यक्षों को हटाए जाने के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा संगठन में काफी समय से खाली पड़े पदों पर भी नियुक्तियां होंगी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने इसके लिए पीसीसी चीफ दीपक बैज को हरी झंडी दिखा दी है। विधानसभा और फिर लोकसभा चुनावों में मिली करारी पराजय के बाद से लगातार यह कयास लगते रहे हैं कि हाईकमान पीसीसी चीफ के परफारमेंस से खुश नहीं है। लेकिन पायलट के हालिया दौरे के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि आने वाले नगरीय निकाय के चुनाव तक बैज अपने पद पर बने रहेंगे। दरअसल, चुनावी पराजय को लेकर पिछले दिनों हुई फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की दिल्ली बैठक के बाद छत्तीसगढ़ में मुखिया बदलने की अटकलें तेज हो गई थी। डिप्टी सीएम रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस बाबा ने भी इसके संकेत दिए थे।

बलौदाबाजार हिंसा मामले को लेकर पूरे प्रदेश में आक्रामकता दिखा रही कांग्रेस में फिलहाल स्थायित्व बना रहेगा। इस मामले में एक विधायक की गिरफ्तारी को लेकर पूरे राज्य में धरना-प्रदर्शन और पुतला दहन जैसे कार्यक्रम हो रहे हैं। अनेक जगहों पर जेल भरो आंदोलन भी किया गया। बताया जाता है कि प्रदेश प्रभारी पायलट ने इसके लिए सख्त निर्देश दिए थे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से कहा कि अब धरना-प्रदर्शन जैसे कार्यक्रमों में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को और ज्यादा आक्रामक होना पड़ेगा। पायलट ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ हर मामले को गम्भीरता से लेने की जरूरत है। उनका कहना था कि आज एक विधायक को गिरफ्तार किया गया है, ऐसा ही दूसरे नेताओं के साथ भी हो सकता है। पायलट की नसीहत के बाद पीसीसी ने पूरे राज्य में आक्रामक विरोध की रणनीति तैयार की, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

टीएस बाबा ने जताई थी उम्मीद

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार की जांच के लिए बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए कुछ समय पहले प्रदेश के आला नेताओं को दिल्ली से बुलावा आया था। इस रिपोर्ट को हालांकि हाईकमान को सौंप दिया गया है, लेकिन हार की असल वजह सामने नहीं आ पाई। इस बैठक से लौटने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव ने प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की उम्मीद जाहिर की थी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कहा था कि दिल्ली की बैठक में इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। पीसीसी चीफ दीपक बैज स्वयं उक्त बैठक में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव बैज की ही अगुवाई में हुए थे। शायद यही वजह रही कि राज्य की सत्ता हाथ से जाने और लोकसभा चुनाव में भी निम्न स्तरीय प्रदर्शन के चलते उन्हें बदलने की चर्चाएं चलती रही। प्रदेश प्रभारी से बैज को मिले फ्री हैंड के बाद स्थितियां काफी हद तक स्पष्ट हो गई हैं।

भरे जाएंगे खाली पद

पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश प्रभारी पायलट ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को संगठन में खाली पदों पर नियुक्ति के संबंध में जो निर्देश दिए है, उसमें यह बात भी शामिल है कि प्रदेश कांग्रेस के संगठन जिलों में जो अध्यक्ष तीन से लेकर पांच साल से जमे हुए हैं, उन्हें भी बदला जाए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के जिला संगठनों में कई बरसों से कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बीच 2018 के विधानसभा चुनाव से लेकर 2019 के लोकसभा, 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव भी हो चुके हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता 2023 में दोहराई नहीं जा सकी। पार्टी को करारी हार के बाद सत्ता से वापस जाना पड़ा। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में कांग्रेस 11 में से केवल एक ही लोकसभा सीट जीत पाई। इन पराजयों से उबरकर अब पीसीसी ने स्थानीय निकायों के चुनावों की ओर रूख किया है।

ऐसी भी थी चर्चा...

बैज की अगुवाई में कांग्रेस को मिल रही लगातार पराजय के बाद यह चर्चाएं सरगर्म रही कि संगठन में कम अनुभव के चलते पार्टी को आशानुरूप सफलता नहीं मिल पाई। ऐसे में यह भी माना जाने लगा था कि पार्टी हाईकमान जल्द ही किसी वरिष्ठ और अनुभवी नेता को प्रदेश की कमान सौंप सकता है। इसके लिए ओबीसी वर्ग के कई नामचीन नेताओं के नाम भी सामने आने लगे थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस बाबा ने तो संगठन की कमान संभालने को लेकर अपनी दिलचस्प भी जाहिर कर दी थी। उनके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डॉ. चरणदास महंत, धनेन्द्र साहू समेत कई अन्य नेताओं के नाम पीसीसी चीफ के लिए लिए जा रहे थे। हालांकि राजनीतिक प्रेक्षकों का अनुमान था कि प्रदेश में कांग्रेस की जिम्मेदारी लम्बे समय से कुछ ही नेताओं पर रही है, ऐसे में उन्हीं में से किसी को अध्यक्ष बनाना पार्टी के भविष्य के लिए अच्छा नहीं होगा।

पार्टी की बैठक में दिए निर्देश

जानकारियों के मुताबिक, प्रदेश प्रभारी पायलट ने पिछले दिनों राजीव भवन में हुई बैठक में पीसीसी को अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को प्रदेश कार्यकारिणी बनाने और संगठन के खाली पदों पर नियुक्ति करने की मंजूरी दी। इस मंजूरी के बाद उन अटकलों पर विराम लग गया कि पीसीसी चीफ को बदला जा सकता है। बैज को फ्री हैंड किए जाने से ये बात साफहोती है कि आने वाले समय में प्रदेश में होने वाले नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनावों के पहले बैज अध्यक्ष पद पर मजबूती से बने रहेंगे। इधर, बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप प्रदेश कांग्रेस अपने विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में राज्य भर में शक्ति प्रदर्शन कर रही है। पायलट ने यहां आने के बाद बलौदाबाजार कांड को लेकर जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव से सेंट्रल जेल जाकर मुलाकात की थी। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत भी मौजूद थे।

बालोद में सरपंच की हत्या से सनसनी, दोस्त के घर पर मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में युवा सरपंच की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। सरपंच की लाश उसके दोस्त के घर पर मिली। जिस दोस्त के घर पर उसकी लाश वहीं दोस्त गांव में घूमघूम कर कह रहा है कि उसी ने सरपंच की हत्या की है। घटना की सूचना के बाद लोहारा थाना क्षेत्र के संजारी पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है। फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा घटनाक्रम खेरथा गांव का है। गांव के सरपंच विक्रम सिन्हा की

लाश उसके टेबर पार्टनर रामजी प्रजापति के घर पर मिलने पर सनसनी मच गई। विक्रम सिन्हा ने पंचायत चुनाव में पहली बार हिस्सा लेकर जीत हासिल की थी। विक्रम सिन्हा अक्सर रामजी प्रजापति के साथ बैठकर शराब पीता था इसलिए उसे उसका टेबल पार्टनर कहते हैं।

गांव के वरिष्ठ नागरिक एवं भाजपा नेता हरीश कटझरे ने बताया कि उन्हें आधीरात के बाद लगभग तीन बजे घटना की जानकारी हुई। इसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंचे। विक्रम सिन्हा की धारदार हथियार से हत्या की गई है और पुलिस को सूचना देने के बाद घटना स्थल को सील दिया गया है। गांव के प्रथम नागरिक की जघन्य हत्या से गांव में शोक व्याप्त है।

दोस्त कह रहा है उसने की हत्या

घटना के बाद सरपंच विक्रम सिन्हा का दोस्त रामजी प्रजापति गांव में कहता फिर रहा है कि उसी ने हत्या की है। हालांकि वह यह नहीं बता रहा है कि उसने हत्या क्यों की है। पुलिस ने घटना स्थल को सील कर फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया है। संजारी चौकी प्रभारी अरविंद साहू ने पूरे मामले में जानकारी देते हुए बताया कि जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

श्रीकृष्ण का 5251वां अवतरण दिवस

श्रीकंचनपथ

प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण अब मिथकीय चरित्र नहीं रहे। इसलिए अब अंग्रेजी में भी रामायण और गीता को माइथोलॉजी नहीं कहना चाहिए। ये दोनों ही महापुरुष हमारे गौरवशाली अतीत का हिस्सा हैं। अपने कृतित्व से दोनों ने ईश्वरत्व को प्राप्त किया और देश-दुनिया को ऐसे सबक दिये गये जिनसे किसी भी युग में प्रेरणा ली जा सकती है। पर थोड़ी झिझक शायद अब भी शेष है। आज सुबह-सुबह जब ऑनलाइन अखबार पढ़ना शुरू किया तो कई स्थापित अखबारों में श्रीकृष्ण के 5251वें जन्मदिवस का स्पष्ट उल्लेख शीर्षक में दिखाई दिया। पर थोड़ी ही देर बाद यह गणना गायब हो गई। फिर वही शुरू हो गया कि कौन से मंदिर का पट कब खुलेगा और कब तक खुला रहेगा। उपवास कब शुरू होगा, कब उसे तोड़ा जाएगा, आदि-आदि। इसके साथ ही इसका उल्लेख भी दिखाई दिया कि सवा पांच हजार साल पहले जिन राशि-नक्षत्रों में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था, इस साल फिर से वही संयोग बन रहे हैं। दरअसल, सभी समस्याओं की जड़ भी यही है। एक धड़ा त्रेता और द्वापर की इन घटनाओं को इतिहास साबित करने के लिए आप्राण चेष्टाएं कर रहा है तो दूसरा धड़ा उसे अलौकिक बनाने पर तुला हुआ है। कुछ लोग कथा वाचन को रोचक और अनूठा बनाने के लिए उसमें अपनी तरफ से ऐसे-ऐसे प्रसंग जोड़ देते हैं कि वैज्ञानिक सोच वाले लोग सहसा उसपर यकीन नहीं कर पाते। फिर उसे आस्था का प्रश्न बनाकर छोड़ देते हैं। इससे उन इतिहासकारों की मेहनत पर पानी फिर जाता है जो श्रीराम और श्रीकृष्ण को मिथकों की दुनिया से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आज हम बात करते हैं महाभारत की। इस युद्ध में श्रीकृष्ण एक महाशक्ति की भूमिका में हैं। युद्ध के दोनों पक्ष कौरव और पाण्डव उनका सहयोग और समर्थन चाहते हैं। श्रीकृष्ण एक पक्ष को अपनी सेना दे देते हैं और स्वयं दूसरे पक्ष में चले जाते हैं। युद्ध से पहले ही वे कौरवों को अपनी शक्ति और सामर्थ्य का बोध करा चुके थे। इसका सुन्दर वर्णन कवि रामधारी सिंह दिनकर' ने रश्मिरथी में किया है। बावजूद कौरव नहीं मानते। तो क्या कौरव मूर्ख थे या फिर उन्हें अपने अंजाम की परवाह नहीं थी? क्या वो केवल अपने अपमान का बदला लेने को आतुर थे? महाभारत युद्ध में योद्धाओं और महारथियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उनके सामने उनके अपने परिजन, गुरुजन भी थे। उनके मन में द्वंद्व था, दुविधा थी। श्रीकृष्ण इसे तोड़ने में सफल रहते हैं। जहां-जहां केवल बातों से काम नहीं चलना था, वहां-वहां उन्होंने ऐसी परिस्थितियों का निर्माण किया कि प्रतिशोध की ज्वाला भड़की और महारथियों ने अपनी पूरी ताकत से हमला किया। जहां-जहां उन्हें लगा कि सीधे मुकाबले में जीत संभव नहीं होगी, वहां-वहां उन्होंने कूटनीति और चतुराई का खुलकर उपयोग किया। क्या ऐसी ही परिस्थितियां आज फिर हमारे सामने हैं? क्या इस संघर्ष के नतीजे भी महाभारत काल जैसे ही होंगे?

संपादकीय

मंकीपॉक्स का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर विश्व स्तर पर स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। दो साल में दूसरी बार यह स्थिति पैदा हुई है और खासतौर पर अफ्रीका में मंकीपॉक्स की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। चिंता की बात है कि वैज्ञानिकों ने विषमलैंगिक अंतरंग या यौन संपर्क से जुड़े संचरण समूहों का दस्तावेजीकरण किया है, जबकि 2022 के बहुदेशीय प्रकोप के दौरान ऐसा नहीं था। जेएएमए जर्नल के एक शोध पत्र के अनुसार, इन संक्रमणों के पीछे मंकीपॉक्स वायरस के क्लैड 1बी संस्करण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

> बुरुंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा, ऐसे चार देश हैं, जहां संक्रमण ज्यादा है। खास बात है कि पिछली बार इन देशों में मंकीपॉक्स के मामले सामने नहीं आए थे। इस बार स्वीडन में भी संक्रमण का एक मामला दर्ज किया गया है, जिससे यूरोप में चिंता की लहर है। क्लैड1बी वायरस वास्तव में क्लैड वन वायरस की नई शाखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह पहली बार 2023 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में दर्ज किया गया था। कहा जाता है कि लोगों के बीच यह यौन संपर्क से फैल रहा है। हालांकि, इसके फैलने के दूसरे माध्यम भी हो सकते हैं।

आशंका जताई जा रही है कि वायरस का नया संस्करण गंभीर बीमारी और उच्च मृत्यु दर की वजह बन सकता है। वैज्ञानिक जोखिम का अध्ययन कर रहे हैं। शुरुआती अध्ययन से पता चलता है कि वायरस के नए संस्करण से वयस्कों में पांच प्रतिशत और बच्चों में 10 प्रतिशत तक जोखिम है। मतलब बच्चों को विशेष रूप से संभालने की जरूरत है। वास्तव में, यह मानव की बिगड़ती जीवन शैली के साथ ही बिगड़ते आचरण का भी मामला है। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो अपने आचरण को ज्यादा महत्व नहीं देते हैं। उनके लिए भोग-उपभोग ही सब कुछ है, इसके लिए वे किसी भी संयम या सीमा को नहीं मानते हैं। ध्यान देने की बात है कि मंकीपॉक्स वायरस पहली बार 1958 में डेनमार्क के कोपेनहेगन में एक पशुघर में फैला था। मनुष्यों में इसका पहला मामला साल 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक नौ महीने के लड़के में पाया गया था। इससे चिकित्सकों को यह तोअंदाजा है कि इस बीमारी का खतरा बच्चों में सबसे ज्यादा है। पीएनएएस जर्नल में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन के मुताबिक, यह एक जूनोटिक बीमारी है, जिसका मानव से मानव में संचरण बहुत कम होता है। यह बीमारी 2022 तक अफ्रीकी देशों तक सीमित थी, अब इसकी शिकायत यूरोप, एशिया जैसे महादेशों में भी सामने आने लगी है। वैज्ञानिकों को लगता है कि बिगड़ता पर्यावरण भी इसमें भूमिका निभा रहा है। कहीं ऐसा न हो कि यह वायरस मानव में तेज संक्रमण का आधार तैयार कर रहा हो।

अभी तक इसका संक्रमण ब्रिटेन, इजरायल, सिंगापुर, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, पुर्तगाल, इटली, ऑस्ट्रेलिया व भारत में देखा गया है। भारत में भी इसको लेकर केंद्रीय स्तर से सलाह जारी हुई है। अनेक राज्यों ने अस्पतालों में बिस्तर आरक्षित करने के साथ बचाव के जरूरी इंतजाम भी कर लिए हैं। अभी तक की सूचना के अनुसार, ज्यादातर मामलों में थोड़ी सजगता व देखभाल से दो से चार सप्ताह में मरीज ठीक हो जाते हैं। भारत में यह वायरस कभी भी आ सकता है। देश में वायरस के प्रवेश को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर जांच की जा रही है। जरूरत भय की नहीं, बल्कि सावधानी बरतने की है।

मोदी जी की यूक्रेन यात्रा

अजय दीक्षित

पिछली डेढ़ साल से रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ी हुई है। शुरू-शुरू में रूस ने समझा था कि वह यूक्रेन को दो दिन में तबाह कर देगा, परन्तु यूक्रेन अभी भी डटा हुआ है यद्यपि यूक्रेन में भारी तबाही हो चुकी है।

भारत के बहुत से युवा यूक्रेन में डॉक्टरी पढ़ रहे थे। भारत ने उन्हें तुरंत बाहर निकाला। असल में हाल में जब मोदी जी रूस गये थे, तो अमरीका के तेवर बदलने लगे। अब भारत के विदेश मंत्री अमरीकी दौरे पर हैं। ताकि अमरीका के सम्बन्धों में तनाव न आये। जिस दिन मोदी जी से पुतिन गले मिल रहे थे तभी रूस ने यूक्रेन के एक बच्चों की अस्पताल में बमबारी की थी जिसमें अनेक बच्चे मारे गये थे। मोदी जी कहते हैं कि भारत युद्ध का नहीं बुद्ध का देश है। असल में भारत की रूस से बहुत पुरानी दोस्ती है। वह कांग्रेस काल में शुरू हुई थी जिसे मोदी जी ने नहीं बदला। इस समय भारत को रूस से सस्ता ईंधन मिल रहा है। विश्व मंच पर रूस ने सदा भारत का साथ दिया है इसी कारण जब भी संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के विरुद्ध कोई प्रस्ताव आया तो भारत ने वोट से एब्सटेन (अनुपस्थित) किया।

आज की विदेश नीति मानो रस्सी पर नटी का खेल है। नटी एक डण्डे से बैलेंस बनाकर एक छोर से दूसरे छोर जाती है। रूस एक छोर पर है। अमरीका दूसरे छोर पर है। यूक्रेन को भारत से बहुत आशा है। आज विश्व में मोदी जी सर्व प्रिय नेता हैं। उनकी छवि बिना दागदार है। विश्व के देश उन्हें शांति का दूत मानते हैं। भारत सदा कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है।

शायद यूक्रेन के दौरे पर विश्व शांति के लिए कोई प्रस्ताव पारित हो। वह यूक्रेन से पहले पोलैण्ड जा रहे हैं। पोलैण्ड नाटो का सदस्य है। असल में रूस नहीं चाहता कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बने। इससे रूस को खतरा है कि सारा यूरोप उसके विरुद्ध हो जायेगा। असल में उसने यूक्रेन को पूरी तरह से तबाह ही कर दिया है। काफी यूक्रेन का भू-भाग पहले से ही रूस के कब्जे में है। आज स्थिति यह है कि यूक्रेन के बहुत से निवासी पड़ौसी देशों में शरण लिये हुये हैं।

यूं रूस भी कोई बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है। उसकी फौज में सिपाहियों की काफी कमी है। रूस की सेना में बहुत से भारतीय भी शामिल हो गये हैं। भारत का विदेश विभाग उन्हें मुक्त कराकर वापिस लाना चाहता है पर रूस का कहना है कि ये भारतीय रूस की सेना में स्वेच्छा से शामिल हुये हैं। यह सच भी हो सकता है क्योंकि भारत में बेरोजगारी को देखते हुए बहुत से भारतीय इजरायल की सेना में भी हैं। शायद सेना में तो नहीं होंगे। परन्तु और बहुत तरफ से गैर युद्ध क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कहते हैं उनमें से कुछ ने यहूदी धर्म भी अपना लिया है।

मोदी जी की यूक्रेन यात्रा यदि विश्व शांति की दिशा में कुछ कर सकी तो इससे भारत का गौरव बढ़ेगा और विश्व में मोदी जी की शान और भी बढ़ जायेगी। मोदी जी स्वयं के लिए नहीं सोचते। वे जो कुछ भी करते हैं वह भारत का गौरव बढ़ाने के लिए होता है। हमें आशा रखनी चाहिए कि मोदी जी सफल होंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

इंटरनेट सेवा पर पाबंदी लगा देने से नहीं थमेंगे उपद्रव

यह अफसरशाही और पुलिस का नया नजरिया है। वे मानते हैं कि आज के दौर में अशांति की जान जिस तोते में बसती है, उसका नाम है इंटरनेट। इसलिए कहीं भी गड़बड़ी की आहट मिलते ही सबसे पहले वहां इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी जाती है।

हरजिंदर

यह मान लिया जाता है कि अगर इंटरनेट नहीं चलेगा, तो अफवाहें भी नहीं फैलेंगी और लोगों के गुस्से को भुनाकर उन्हें एकत्र करने के टूलकिट बेमतलब हो जाएंगे। हमारे पास ऐसा कोई अध्ययन नहीं, जिससे पता चल सके कि प्रशासन का यह तरीका वास्तव में कितना कारगर होता है। फिर भी इसका इस्तेमाल आए दिन होता रहता है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र के बदलापुर में दो छोटी बच्चियों पर यौन हमले की खबर आई, तो इस छोटे से नगर के लोग भड़क उठे। इससे पहले कि पुलिस हिंसा करने वालों को गिरफ्तार करती, प्रशासन ने सबसे पहले पूरे इलाके की इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं। अभी कुछ ही दिन पहले इंटरनेट बंद करने की ऐसी ही खबर ओडिशा के बालासोर में दंगे की कुछ घटनाओं के बाद भी आई थी। मणिपुर और कश्मीर तो देश के दो ऐसे इलाके हैं, जो कई-कई महीनों के लिए इंटरनेट की मुख्यधारा से कट रह चुके हैं। पिछले साल मणिपुर में तो लगातार पांच हजार घंटे से भी ज्यादा समय तक के लिए इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी गई थीं। इसके अलावा भी देश भर में 2023 में 30 मौकों पर इंटरनेट सेवाओं को बाधित किया गया था। पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय संस्था 10वीपीएन ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें इंटरनेट सेवाएं ठप करने के मामले में भारत का नंबर पहला था।

यह सच है कि इंटरनेट के जरिये बहुत सारी अफवाहें और झूठी खबरें फैलाई जाती हैं। अशांति और दंगों को भड़काने में भी इसकी भूमिका कई बार उजागर हो चुकी है। मगर इंटरनेट ठप करने जैसा कदम कितना प्रभावी होता है, इसकी कोई प्रामाणिक जानकारी हमारे पास नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने के बाद जब कश्मीर में इंटरनेट सेवाएं बाधित की गई थीं, तो कुछ दिनों में पता चला कि वहां बहुत से लोगों ने इंटरनेट के बिना ब्लूटूथ के जरिये मैसेजिंग के विकल्प निकाल लिए हैं। फिर आज इंटरनेट की पहुंच सिर्फ कंप्यूटर और स्मार्टफोन तक नहीं है। हमारे घरों में ऐसे टेलीविजन बढ़ते जा रहे हैं, जो इंटरनेट से ही सिग्नल ग्रहण करते हैं। इंटरनेट के बंद हो जाने का अर्थ इनका बंद हो जाना भी होता है और जब परंपरागत मीडिया थम जाता है, तो फर्जी खबरों के लिए जमीन तैयार हो जाती है।

वैसे इंटरनेट का इस्तेमाल सिर्फटीवी या मोबाइल तक सीमित नहीं है। ऐसे फ्रिज, वाशिंग मशीन और एयर कंडीशनर भी मिल जाएंगे, जो वाईफाई के जरिये इंटरनेट से जुड़ सकते हैं। अपने यहां तो ट्रेनों के परिचालन में भी बड़े पैमाने पर इंटरनेट का इस्तेमाल होता है, हालांकि इंटरनेट की पाबंदी का इस पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि रेलवे के पास संचार का अपना अलग नेटवर्क है। वैसे, दुनिया भर के बहुत से देशों में इंटरनेट सेवा न होने से जल और विद्युत आपूर्ति तक बाधित हो सकती है। यहां तक कि इससे सड़क परिवहन भी रुक जाएगा। और तो और, सिर्फ इतने से ही शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं भी ठप हो सकती हैं।

आठ साल पहले जब दुनिया में बहुत सी चीजें आज की तरह इंटरनेट से नहीं जुड़ी थीं, तब 'ग्लोबल नेटवर्क इनीशिएटिव' नामक संस्था ने एक अध्ययन किया था, जो बताता है कि दुनिया भर में जो बहुत ज्यादा नेट कनेक्टिविटी वाले देश हैं, वहां एक दिन के लिए इंटरनेट सेवा ठप होने का सकल घरेलू उत्पाद, यानी जीडीपी पर 1.9 प्रतिशत तक असर पड़ सकता है। इंटरनेट नागरिक जीवन से भी कहीं ज्यादा हमारी उत्पादन व्यवस्था का आधार बन चुका है। देर सवेर यही भारत में भी होने वाला है। यह मान लिया गया है कि डिजिटल कदमों को उठाते हुए ही हम एक विकसित अर्थव्यवस्था बन सकेंगे। जाहिर है, ऐसी स्थितियों में अगर आप इंटरनेट को ठप करते हैं, तो जितना आपको एक समस्या का समाधान मिलेगा, उससे कहीं ज्यादा समस्याएं सिर्फइसकी वजह से आपके सामने खड़ी हो जाएंगी। इसलिए, जरूरी है कि अशांति के हालात से निपटने के लिए नए रास्ते खोजे जाएं, इंटरनेट सेवाओं को बंद करने का रास्ता हमें देर सवेर छोड़ना ही होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मिलावटी उत्पादों से सेहत पर दुष्प्रभाव ही पड़ेगा

रजनीश कपूर

भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीज़ों, दिल के रोग के मरीज़, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोज़मर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते।

पिछले सप्ताह एक एनजीओ द्वारा किए गए शोध से पता चला कि देश में अधिकतर नमक और चीनी निर्माता हमें प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खिला रहे हैं। 'टॉक्सिक्स लिंक' नाम की एक एनजीओ के पर्यावरण अनुसंधान विभाग द्वारा किए गए एक शोध के बाद यह दावा किया। जबसे यह खबर उजागर हुई तो उपभोक्ताओं के मन में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीज़ों, दिल के रोग के मरीज, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोज़मर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के इतने सूक्ष्म कण आपके शरीर में कई सालों तक रह सकते हैं। इतने वर्ष तक यदि ऐसे कण आपके शरीर में रह जाएँगे तो इनका आपकी सेहत पर दुष्प्रभाव तो पड़ेगा ही। अब चूँकि यह शोध सामने आया है तो इसे गंभीरता से लेते हुए इसकी विस्तृत जाँच भी होनी चाहिए और साथ ही दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही भी की जानी चाहिए।

आज के दौर में हम जितना भी सादा भोजन करें हम किसी न किसी मात्रा में नमक और चीनी तो लेते ही होंगे। यदि इन ज़रूरी वस्तों के सेवन से हमें कैंसर और दिल के रोग होने लग जाएँ तो इंसान कहाँ जाए? यदि मिलावटी मसालों की बात होती है तो हम अपनी दादी-नानी के घरेलू नुस्खे आजमा कर रोज़मर्रा के मसालों को घर में ही कूट-पीस सकते हैं। यदि दूषित पानी और कीटनाशक से उगी सब्ज़ियों और फलों की शिकायत मिले तो हम जैविक खेती की मदद से शुद्ध सब्ज़ियों और फलों का सेवन कर लेते हैं। परंतु यदि हर घर में इस्तेमाल होने वाले नमक और चीनी में ही इस कदर मिलावट होने लगे तो आपक्या करेंगे? लालच इंसान को किस हद तक ले जाता है कि मुनाफे के चक्कर में कुछ चुनिंदा उद्योगपति आम जनता को ज़हर परोस रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स इन सॉल्ट एंड शुगर' नाम की इस स्टडी में टॉक्सिक्स लिंक' ने टेबल सॉल्ट, रॉक सॉल्ट, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चे नमक सहित 10 प्रकार के नमक और ऑनलाइन तथा स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी का टेस्ट करने के बाद इस स्टडी को पेश किया। अध्ययन में यह चौंकने वाला सच सामने आया कि नमक और चीनी के सभी नमूनों में अलग-अलग तरह के माइक्रोप्लास्टिक्स शामिल थे। इनमें फाइबर, पेलेट्स, फिल्म्स और फ्रेगमेंट्स पाये गये।

शोध के अनुसार इन माइक्रोप्लास्टिक्स का आकार 0.1 मिमी से 5 मिमी के बीच पाया गया। सबसे अधिक माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा आयोडीन युक्त नमक में पाई गई, जो मल्टीकलर के पतले फाइबर और फिल्म्स के रूप में थे। जाँच रिपोर्ट के अनुसार, चीनी के नमूनों में, माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाई गई, जिसमें सबसे अधिक मात्रा गैर-ऑर्गेनिक चीनी में पाई गई। वहीं गौरतलब है कि नमक के नमूनों में प्रति किलोग्राम माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 6.71 से 89.15 टुकड़े तक पाई गई। आयोडीन वाले नमक में माइक्रोप्लास्टिक्स की सबसे अधिक मात्रा (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) और ऑर्गेनिक रॉक सॉल्ट में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) पाई गई।

उल्लेखनीय है कि इस विषय पर किए गए पिछले शोधों में पाया गया है कि औसत भारतीय हर दिन 10.98 ग्राम नमक और लगभग 10 चम्मच चीनी का सेवन करता है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा से काफी अधिक है। ऐसे में यदि हमारे शरीर में माइक्रोप्लास्टिक भी प्रवेश कर रहा है तो यह हमें कितना नुक़सान पहुँचाएँगे इसका अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर में मिलावटी भोजन के अलावा हवा और पानी के ज़रिये भी प्रवेश कर सकते हैं। एक अन्य शोध में यह भी पता चला कि माइक्रोप्लास्टिक मानव शरीर में फेफड़े, हृदय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों में बड़ी आसानी से प्रवेश कर लेते हैं। इतना ही नहीं एक शोध में यह भी पाया गया कि नवजात व अजन्मे बच्चों में भी माइक्रोप्लास्टिक प्रवेश कर चुके हैं।

चिंता का विषय यह है कि भारत में निर्मित चीनी और नमक में इतनी मात्रा में मिलने वाले ऐसे तत्व क्यों पाये जा रहे हैं? क्या ऐसी स्टडी पहली बार हुई है? इससे पहले भी कई तरह के शोध मिलावटी उत्पादों को लेकर हुए हैं। क्या उन पर उचित कार्यवाही की गई? क्या सरकार ने ऐसे कड़े नियम बनाए कि ऐसी गलती करने पर निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए? वैज्ञानिक शोध का मतलब स्पष्ट रूप से यही होता है कि जिस भी शोध में कुछ भी हानिकारक पता चले, उसे जनता के सामने पेश किया जाए। परंतु क्या ऐसे शोध को केवल जनता के सामने लाने से ही समस्या का हल निकल जाएगा? यदि उपभोक्ता जागरूक हो जाए और देश के सरकारी विभाग इस बात को सुनिश्चित कर लें कि किसी भी हाल में जनता को मिलावटी उत्पाद नहीं बेचे जा सकते, तो शायद स्थिति कुछ बेहतर हो। परंतु हमारे देश में जहां हर काम भ्रष्टाचार के पेपर वेट' के सहारे होता है वहाँ कब, क्या और कितना होगा यह बताना मुश्किल है?

फिलहाल हर उपभोक्ता को जागरूक होना जरूरी है। इसके साथ ही देश में टॉक्सिक्स लिंक' या अन्य सचेत एनजीओ का होना भी ज़रूरी है जो जनहित में ऐसे शोध जनता के सामने लाते हैं। आनेवाले समय में देखना यह होगा कि देश भर में काम कर रही ऐसी तमाम एनजीओ के शोध को सरकार कितनी गंभीरता से लेती है और दोषियों के खिलाफ़ क्या क़ानूनी कार्यवाही की जाती है। तब तक के लिए, हमें सचेत रहना चाहिए और जहां तक संभव हो मिलावटी उत्पादों से बचना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

कॉमन सिविल कोड को नया नाम

खबरों के मुताबिक मोदी के एलान के बाद टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, %सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमन सिविल कोड को नया नाम दिया। उसे सेकुलर कोड कहा। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने पर्सनल लॉ (जिसे उन्होंने कम्यूनल कोड कहा) कि जगह सेकुलर कोड लागू करने का इरादा जताया। यह बात उन्होंने लोकसभा चुनाव के पहले भी कही थी। तब लेकिन तब बात अलग थी। तब लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी का अपना बहुमत था और अभी भाजपा का चार सौ पार का उत्साह आसमान में था। आम चुनाव में भाजपा के पर कुतर गए।

लेकिन उससे मोदी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। पिछले ढाई महीने से उनका सारा प्रयास यही संदेश देने का है कि कुछ भी नहीं बदला है। संभवतः इसीलिए लाल किले से उन्होंने इस विभाजक मुद्दे को अपने भाषण का थीम बनाया। परंतु अब उनके सामने बदली हुई हकीकत है। मोदी के एलान के बाद सत्ताधारी एनडीए के घटक दल तेलुगू देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, %सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। जनता दल (यू) में भी अशांति दिखी।

नतीजतन, 16 अगस्त को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर एनडीए की बैठक बुलानी पड़ी। इसमें यह फैसला भी हुआ कि हर महीने एनडीए की समन्वय समिति की बैठक होगी और नीतिगत फैसले उसमें ही लिए जाएंगे। फिलहाल, इसका अर्थ यह है कि मोदी ने जो एलान किया, उसके प्रचार से भाजपा को जो सियासी फायदा मिलना हो मिले, लेकिन उससे संबंधित विधेयक को पारित कराना आसान नहीं होगा। इससे यह संकेत ग्रहण किया जा सकता है कि भाजपा की अब वह हैसियत नहीं है कि पिछली लोकसभा की तरह बिना अन्य किसी मत का ख्याल किए विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ा दे। इसके लिए उसे- कम से कम अपने गठबंधन के भीतर न्यूनतम सहमति बनानी होगी। टीडीपी और जेडी-यू वक्फ बोर्ड विधेयक तक चुप रहे, लेकिन अब उन्हें अपनी सियासत के लिए जोखिम पैदा होता दिखने लगा है। अब देखना होगा कि मोदी-शाह का नेतृत्व इस स्थिति को भी मैनेज कर लेने में कामयाब होता है?

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

व्यंग्य: ग से गरीब भी पढ़ाया करो

डॉ . सूर्यकांत मिश्रा

हमारे शुरुआती अक्षर ज्ञान में हमें हमारी शिक्षिकाओं ने बड़े ही सुर और राग के साथ ग से गणेश, ग से गमला, ग से गधा और न जाने क्या – क्या सिखाया? मुझे आज समझ में आ रहा है कि कहीं न कहीं ग का सारगर्भित अर्थ मुझे या मेरे सहपाठियों को नहीं समझाया गया! आज जब मैं थोड़ी-बहुत समझ वाली उम्र में हूं तो मुझे ग से गरीब ही समझ में आ रहा है! ग से गरीब ही वह मजबूत तबका है जो चंद रुपयों की लालच में आकर बड़ी-बड़ी पार्टियों को ग से गद्दी सौंप रहा है! अभी भी हमें अपनी भूल सुधारते हुए बच्चों को ग से गरीब पढ़ना शुरू कर देना चाहिए। कारण यह कि ग से शुरू होने वाला यह ऐसा तबका है जो 140 करोड़ लोगों में सबसे ज्यादा पाया जाता है! मानवीय समाज में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां ग से गरीब की उपस्थिति न हो। इन्हीं गरीबों के नाम पर सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधा ने कुछ ऐसा प्रभाव दिखाया है कि गरीबों का हक मारने वाले भी ग से गरीब बनना पसंद कर रहे हैं! ऐसे लोग जिनके पास सब कुछ है वे भी गरीबी रेखा का कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं के हकदार बनने गरीबों से आगे खड़े दिखाई पड़ रहे हैं। ऐसे गरीब लोग शिक्षा के अधिकार कानून के तहत बच्चों प्रवेश कराकर उन्हें कार से स्कूल छोड़ने जाते हुए गर्व का अनुभव करते हैं। हमारा देश गरीबों का देश है। गरीब ही इस के आधार स्तंभ हैं! इसी कौम पर पूरा देश मजबूती के साथ खड़ा हुआ है! आश्चर्य तब होता है जब गरीबों के देश में गरीब ही उपेक्षित किया जाता है! जिस बहु-मंजिल इमारत को बनाने में इसी गरीब ने अपना खून पसीना, पानी की तरह बहाया है उसका उस इमारत में कहीं नामों – निशा नहीं! उद्घाटन करने वाले का नाम स्वर्णाक्षरों में उभारा जाता है!

हमारे देश के नेताओं ने गरीब की परिभाषा भी बड़ी अच्छी गढ़ी है! ऐसा व्यक्ति जो दिनभर में 32 रुपए कमाता है, वह गरीब नहीं है! अब एक नई पहचान भी की जा रही है। वह व्यक्ति जो दिनभर में एक डॉलर के बराबर राशि कमाता है, वह गरीब नहीं है! अर्थात ज्यादा से ज्यादा 80 रुपए! हम कह सकते हैं की 30 दिन में 2400 रुपए कमाने वाला इनकी परिभाषा में गरीब नहीं है ! अरे! भाई साहब! जरा अपनी आंखों पर अमीरों वाला चश्मा चढ़ाकर देखिए। आपको कहीं गरीब नजर आए तो मेरा विद्रोह कर दें। ऐसा कौन शख्स आपको मिलेगा जो 80 रुपए न कमा सकता हो! एक भिक्षा मांगने वाला भी इससे कई गुना कमाकर घर लौटता है। हमारे देश में गरीब और गरीबी का मजाक उड़ाने के लिए अनेक तरह के उदाहरण दिए जाते हैं। मसलन सब्जी मंडी में टमाटर के दाम 80 से 100 रुपए पहुंचने पर कहा जाने लगता है :– लोहा टमाटर से भी सस्ता भला इस उपमा को उचित माना जा सकता है? क्या टमाटर की जगह लोहा खाया जा सकता है? गरीबी को लेकर एक और तुलनात्मक चर्चा की जाती रही है। कहा जाता है:– सावन के अंधे को हरा ही हरा नजर आता है । हमारे देश की संसद में बैठे लोगों से गरीब भला कौन हो सकता है तभिल्तो इन जैसे गरीबों के लिए बाजार से भी सस्ता भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है! 56 भोग से सजी थाली के लिए चंद रुपए लेकर यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि अब पहले वाली सब्सिडी बंद कर दी गई है । मैं तो यह कहने से परहेज नहीं करता कि पहले खुले आम सस्ता भोजन मिल रहा था, अब कंबल ओढ़ कर घी, मक्खन, मलाई और न जाने क्या-क्या उदरस्थ किया जा रहा है ? दूसरी बड़ी बात यह भी कि इन्हें न तो जी एस टी चुकाना पड़ता है और न ही स्वाभिमान कर! लिया भी क्यों जाए? टैक्स देने की जिम्मेदारी तो गरीबों के पाले डाली गई है!

बाजार की महंगाई के आगे गरीब नत-मस्तक है! सब्जियों का भाव सुनकर उसका रंग उड़ जाता है! आलू-टमाटर-प्याज जैसी सब्जियों का स्वाद वह भाव पूछकर ही लेने लगता है। अपना मन मारकर कुछ चंद रुपयों की हरी मिर्च और धनिया लेकर लौटने वाला गरीब चटनी बनाकर चावल और रोटियां गले से नीचे उतार लेता है! गरीब के बच्चों को भी ईश्वर ने गजब की समझदारी प्रदान की है। वे कभी खीर-पूड़ी खाने की जिद नहीं करते! करें भी तो पूरी कैसे हो? इसे वे भलीभांति जानते हैं। गरीब और मजदूर परिवारों में सुबह-सुबह भूखे बच्चों को पिज़्ज़ा – बर्गर या आलू-पोहा नहीं बल्कि बासी रोटियां परोसी जाती हैं! इन रोटियों में वह ताकत है जिसे बच्चे आपस में एक-दूसरे से छीन-झपटकर खा लेते हैं! गरिब को हमारे देश के राजनीतिकारों ने एक बड़ा अधिकार दिया हुआ है। वह है सपने देखने का अधिकार! अपने इस अधिकार के वशीभूत हमारा गरीब सपने में राजभोग का आनंद उठा लेता है, जो उसे हकीकत से कोसों दूर रखता है। देखा जाए तो गरीब की जिंदगी बे-रंग हुआ करती है, किंतु हमारी सरकारों ने उसके जीवन में रंग भरने का कोई अवसर नहीं छोड़ा है। तभी तो उसे दिए जाने वाले कार्ड का रंग पीला और संपन्न लोगों के कार्ड का रंग सफेद रखा गया है। हमारी सरकारों को यह भी पता है कि हमारा गरीब सबसे अच्छी इम्युनिटी रखता है! यही वजह है कि उसे पीले कार्ड पर स्वास्थ्य वर्धक अनाज दिया जाता है , जिसे वह आसानी से पचा लेता है! इस देश में गरीब ही ऐसा वर्ग है जो कर्मवीर कहा जा सकता है। सुबह से बासी रोटी और पानी में डूबा भात लेकर निकल पड़ने वाला गरीब कर्म ही पूजा है के सिद्धांत का सबसे बड़ा पुजारी है। दिन भर हाड़ – तोड़ मेहनत करने के बाद रात में भरपूर नींद गरीब ही ले पाता है। उसे नींद की गोलियां नहीं लेनी पड़ती! गरीब अपने बच्चों को स्कूल का होम वर्क नहीं कराता! वह उन्हें खेतों-खलिहानों का होम वर्क कराता है! वह उन्हें मिट्टी खोदने और ईंट उठाने का होम वर्क कराता है। गरीब का एक ही नारा होता है – क्या करें पेट पूजा के अलावा, काम न आता दूजा। आज हमारे देश का हर गरीब पेट की भूख के भूगोल में उलझा हुआ है और देश के कर्णधार उस भूगोल के नक्शे में रंग भरकर उसकी भूख मिटाने का स्वांग करते आ रहे हैं! मुझे लगता है मैंने अपना दो घंटे का से यूं ही बर्बाद कर दिया। मैं जिस ग से गरीब के लिए कुछ लिख रहा हूं उसे कोई गरीब पढ़ भी सकेगा, इस पर मुझे संदेह है! उसके पास इतना समय नहीं कि अपने विषय में कुछ जानकारी ले सके! उसे तो बस यही चिंता रहती है कि किसी तरह दिन कट जाए! रात आ जाए और वह अपने परिवार के साथ चैन की नींद ले सके! उम्मीद करता हूं कि इसे पढ़ने के बाद शायद अब ग से गरीब पढ़ाने की जरूरत भी समझी जाएगी!

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

पूर्व सीएम भूपेश पर बरसे विधायक रिकेश, बोले–

भिलाई को कर रहे बदनाम साबित करें या मांगे माफी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शनिवार को दुर्ग में प्रदर्शन के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने जमकर हमला बोला है। विधायक रिकेश ने पूर्व सीएम के बयान को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भिलाई को बदनाम करने की साजिश बाताया है। रविवार को एक प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल अपने दिए बयान का साक्ष्य प्रस्तुत करे या फिर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि शनिवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल दुर्ग में महापौर धीरज बाकलीवाल के निवास पर कहा था कि भिलाई के एक स्कूल में यौन शोषण हुआ है। यही नहीं उन्होंने दुर्ग एसपी को गुंडा कहा जो कि निंदनीय है। विधायक रिकेश ने कहा कि स्कूल में बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना का यदि भूपेश बघेल के पास कोई ठोस आधार या सबूत है तो उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए तथा स्कूल का नाम लेकर पीड़ित परिवार एवं उसकी बच्ची को न्याय दिलाने के लिए सामने आना चाहिए। बिना साक्ष्य के राजनीतिक मंच से स्कूल का बिना नाम लिए गोल मोल शब्दों में बातें करने से स्पष्ट है कि भूपेश बघेल यह सब अपनी राजनीति चमकाने के लिए कर रहे हैं। विधायक रिकेश ने कहा कि भूपेश बघेल ने इस गैर जिम्मेदाराना बयान से स्कूल को बेवजह बदनाम करने के साथ ही वहां पढ़ने वाले बच्चे एवं उनके पालकों को भी भयभीत करने का काम किया है जो कि घोर निंदनीय है। भिलाई की पहचान शिक्षाधानी तथा खेल एवं सांस्कृतिक नगरी की रही है, इसे मिनी भारत भी कहा जाता है। यहां देश के सभी प्रांतों के तथा विभिन्न धर्म को मानने वाले लोग वर्षों से भाईचारे एवं शांति से रहते आ रहे हैं। एक आधारहीन घटना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भिलाई की शांति एवं भाईचारे में जहर घोलने तथा यहां के वातावरण को खराब करने के घटिया कृत्य पर उतर आए हैं।

विधायक रिकेश ने यह भी कहा कि अपनी सरकार गंवाने तथा लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के भीतर भूपेश बघेल का कद तेजी से घटता जा रहा है। प्रदेश की राजनीति में उनकी पूछ परख भी कम होती जा रही है। विष्णु देव सरकार के खिलाफ भी वे कोई बड़ा मुद्दा नहीं उठा पा रहे हैं, ऐसी स्थिति में अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए भूपेश बघेल अब अनर्गल बयानबाजी करने पर उतार आए हैं और बिना किसी सबूत के एक स्कूल का नाम लिए बिना उसे बदनाम करना एवं एसपी जैसे जिम्मेदार पद पर आसीन अफसर को खुलेआम गाली देना, उनकी इसी हताशा का परिचायक है। यदि भूपेश बघेल के पास मामले को लेकर कुछ तथ्य हैं तो उन्हें स्कूल का नाम उजागर करना चाहिए अन्यथा अपनी बेबुनियाद बयानबाजी के लिए उन्हें स्कूल प्रबंधन, दुर्ग एसपी सहित सम्पूर्ण भिलाईयंस से माफी मांगना चाहिए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा प्राप्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विस्तृत कार्यक्रम 20 अगस्त 2024 से प्रारंभ कर 10 अक्टूबर 2024 तक किया जाना है, जिसके लिए बूथ लेवल अधिकारी डोर-टू-डोर जाकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य संपादित करेंगे। कलेक्टर ऋ चा प्रकाश चौधरी ने दुर्ग जिले में सर्वेक्षण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर नियत समयावधि में संपन्न कराए जाने हेतु नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी एवं समन्वयक नियुक्त किया है। कलेक्टर के आदेशानुसार ग्रामीण क्षेत्र हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत , तहसीलदार, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग , विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निकाय का एक राजस्व अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अखिल भारतीय उड़िया समाज के प्रदेश अध्यक्ष बने जेएम तांडी, समाज की बैठक में लिया गया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज की बैठक शुक्रवार को सुपेला में संपन्न हुई। बैठक में समाज के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे और नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान भिलाई के वरिष्ठ पत्रकार जेएम तांडी को सर्वसम्मति से समाज का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया गया।

इसके बाद समाज के सभी प्रबुद्ध लोगों ने जेएम तांडी को समाज का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया। बैठक में राजेन्द्र नाग, अर्जुन कुमार, दीनबंधु तांडी, तरुण निहाल, दया निधि विभार, रतन तांडी, आशीष नंदा ,अर्जुन विभार, शंकर निहाल,संजय सोनवानी, धर्मेन्द्र सिक्का, लखपति सोना मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जेएम तांडी ने कहा है कि वे समाज के उत्थान व विकास के लिए काम करेंगे। समाज के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ मिलकर हितकारी कार्य करेंगे। इससे पहले भी समाज के हित में पूर्व अध्यक्ष के साथ मिलकर कार्य किया जिसका अनुभव अब आगे काम आएगा। जेएम तांड़ी ने समाज के सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया है। वहीं जल्द ही कार्यकारिणी के विस्तार की बात कही है।

खास खबर

सूर्या मॉल, सुपेला चौक से गदा चौक, शीतला कंपलेक्स का निरीक्षण करने पहुंची कलेक्टर चौधरी

भिलाई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी नगर निगम भिलाई क्षेत्र की प्रमुख व्यस्ततम सड़कों में से एक नेहरू नगर चौक से सूर्या मॉल, सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक, के साथ पावर हाउस शीतला कंपलेक्स निरीक्षण करने पहुंची । उनके साथ नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव एवं इंजीनियरिंग विभाग की पूरी टीम थी। किस प्रकार से सड़क को व्यवस्थित किया जाए, धूल से प्रदूषण से मुक्त, पर्यावरण अनुकूल हो, आवागमन के लिए व्यवस्थित हो, इसके बारे में बारीकी से चर्चा की। इस बात पर भी ध्यान देने के लिए कहा कि हम लोगों के सहयोग से कैसे वृक्षारोपण करें की और हरा-भरा हो वृक्ष ही प्रदूषण को कम कर सकते हैं। कलेक्टर ने इसके लिए प्रोजेक्ट बनाकर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किये। इस कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी सहयोग लेने के लिए कहा। सबके सहयोग से हम भिलाई को और खूबसूरत बना सकते हैं। शीतला कंपलेक्स बहुत पुराना मार्केट है इसको कैसे व्यवस्थित किया जाए जो सबके लिए उपयोगी हो इसके बारे में आयुक्त आयुक्त दिवेश कुमार ध्रुव से चर्चा करते हुए, अभियंताओं से प्रोजेक्ट बनाकर प्रस्तुत करने की बात की ।

यूटीडी, सीएसवीटीयू, भिलाई में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। यूटीडी, सीएसवीटीयू, भिलाई में आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के यूटीडी के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्पीच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यूटीडी के निदेशक डॉ पी के घोष ने कार्यक्रम का प्रारम्भ अंतरिक्ष विज्ञान के विषय पर ज्ञानवर्धक भाषण से किया। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष विज्ञान की सफलता हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व होना चाहिए जिन्होंने अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

समकुलपति डॉ संजय अग्रवाल ने इस दिवस की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमें अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को याद दिलाता है। हमें अपने वैज्ञानिकों की सफलता से प्रेरणा लेनी चाहिए और नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रयास करना चाहिए। कुलपति प्रो एम के वर्मा ने अपने सन्देश में कहा कि ष्राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे देश के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को याद करने और उनकी सफलता से प्रेरणा लेने का दिन है। अंतरिक्ष विज्ञान में हमारे देश ने बहुत प्रगति की है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। हमारे वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और हमें उनकी मेहनत का परिणाम देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान -अनुराग चक्रधारी (तृतीय सेमेस्टर -एआई), द्वितीय-गरिमा साहू (पंचम सेमेस्टर -एआई) एवं युवराज डहरिया (पंचम सेमेस्टर -एआई)तथा स्पीच कॉम्पीटिशन में द्वितीय- हर्ष शर्मा (तृतीय सेमेस्टर -एआई), तृतीय - आशीष वैद्य ((सप्तम सेमेस्टर -एआई) एवं कार्तिक पाण्डेय के साथ सभी विजेताओं को पुरस्कृत एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति, समकुलपति, यूटीडी के निदेशक,सीएसवीटीयू-फेर्टे के निदेशक, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बीएसपी द्वारा स्थानीय विक्रेताओं के लिए मिलन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा अपने स्थानीय विक्रेताओं के लिए मिलन समारोह का आयोजन 23 अगस्त 2024 को भिलाई क्लब में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्थानीय विक्रेताओं के लगभग 60 प्रतिनिधि शामिल हुए। इस मिलन समारोह के आयोजन का उद्देश्य स्थानीय विक्रेताओं को एक मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ संयंत्र और विक्रेताओं के मध्य संवाद के अवसर उपलब्ध कराना है। जिससे आपसी सहभागिता के द्वारा सम्बन्धों को सुदृढ़ बनाकर क्षेत्र के विकास को गति प्रदान की जा सके।

कार्यक्रम में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स)अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (माइंस) बी के गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविंद्रनाथ मौजूद थे। मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) के सी मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के समारोह एक कड़ी का काम करते है जो विक्रेताओं को संयंत्र से जोड़ने तथा परस्पर लाभ की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध होते है। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने सुमधुर एवं यादगार गीतों की प्रस्तुति दी। क्रार्यक्रम में संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण भी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

कार्यक्रम में उमेश चितलांगियाँ, हरीश सहगल, प्रेमचंद लालवानी, जी एस ताम्रकार सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपति भी शामिल हुए। साथ ही भिलाई एंसेलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन दासगुप्ता, उपाध्यक्ष शशिभुषण, महासचिव श्याम अग्रवाल, सचिव सुरेश चावड़ा एवं अशोक जैन, कोषाध्यक्ष पृथपाल सिंह सहित क्षेत्र के प्रमुख विक्रेतागण उपस्थित थे। स्थानीय विक्रेताओं ने इस मिलन समारोह के आयोजन के लिए संयंत्र के निदेशक प्रभारी का आभार व्यक्त किया तथा उन्होंने इस परंपरा को आगे भी जारी रखने का अनुरोध किया।

भिलाई निगम क्षेत्र में मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्वास्थ्य अधिकारियो एवं कर्मचारियो द्वारा मौसमी बिमारियो की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है ।

इसी के तारतम में रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा घर-घर जाकर एवं नालियों में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव

किया गया। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर लगातार मौसमी बिमारियो की रोकथाम हेतु निगम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम भिलाई के स्वच्छता टीम द्वारा वार्ड 44 लक्ष्मी नारायण नगर में डेंगू, मलेरिया जैसे बिमारी से बचने अभियान चलाया गया। जिससे वहां के नागरिको को बरसात के दिनो में फैलने वाले बिमारियो से बचाया जा सके। बरसाती पानी के जमाव से डेंगू फैलता है, पानी में मच्छर पनपते है, जिसके काटने से मलेरिया होता है। जिसकी रोकथाम हेतु निगम की टीम घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। घरो में टेमीफास का छिड़काव एवं नालियो में मेलाथियान का छिड़काव स्प्रे के माध्यम से किया जा रहा है। सभी नागरिकों से अपील है कि हाथ धोकर भोजन करें, साफपानी उबालकर पिए, किसी प्रकार का उल्टी दस्त होने पर घर में इलेक्ट्रॉल पाउडर पीते रहे, नमक शक्कर का घोल घर में भी बनाकर पी सकते हैं। डॉक्टर से परामर्श लेकर दवा ले, किसी प्रकार का घबराहट बेचैनी होने पर नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में परीक्षण करवाए। सावधानी बरतें प्रयास करें कि बाहर के बासी भोजन से बच्चे, शुद्ध ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग से. वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के के सिंह, वीरेंद्र बंजारे, घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार को समझाइए एवं विधायक दे रहे हैं पंपलेट भी बंटवा रहे हैं ।

बीएसपी सीएसआर के रावघाट परियोजना में जुड़े 38 नए गाँव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट सीएसआर परियोजना के अंतर्गत, इस शिक्षण सत्र से कई नए कार्यक्रम जुड़ रहे हैं। बीएसपी के सीएसआर विभाग ने अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार करते हुए बफर जोन के और भी ग्रामों को सम्मिलित कर सीएसआर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं से भी जोड़ लिया है। अब रावघाट सीएसआर परियोजना के अंतर्गत आने वाले गाँवों की संख्या बढ़कर 60 हो चुकी है।

रावघाट सीएसआर गतिविधि के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा रावघाट माइंस क्षेत्र के 10 वीं पास युवाओं को रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र नारायणपुर में 22 युवाओं का चयन किया गया है। इन युवाओं का चयन 2 वर्षीय नि:शुल्क आवासीय आईटीआई प्रशिक्षण हेतु किया गया है। यह रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दिया जा रहा है। आईटीआई प्रशिक्षण के दौरान इन युवाओं को बीएसपी द्वारा रामकृष्ण मिशन छात्रावास में छात्रावास की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में सीएसआर योजनाओं के तहत रावघाट माइंस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालयों में फोर्टिफाइड दूध का वितरण किया जाता है। 2023-2024 सत्र में लगभग 1700 विद्यार्थियों को इस स्कीम का लाभ प्राप्त हुआ था। बफर जोन गांवों की संख्या में वृद्धि के साथ ही इस शिक्षण सत्र से रावघाट क्षेत्र के कुल 82 शासकीय विद्यालयों के लगभग 2500 विद्यार्थियों को प्रतिदिन 200 मिली फोर्टिफाइड दुध का वितरण किया जायेगा। जिससे बढ़ते बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायता मिलेगी और कुपोषण जैसे बीमारी को भी हराने में यह योजना लाभकारी सिद्ध होगी।

बीएसपी के सीएसआर विभाग ने अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार करते हुए, इन युवाओ को रोजगार के लिए योग्य बनाने हेतु आईटीआई में प्रवेश प्रारम्भ कर दिया है। जिससे उन्हें भी रोजगार के समान अवसर उपलब्ध हो सकें। इसके तहत रावघाट परियोजना के बफर जोन ग्रामों को सम्मिलित किया गया है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र, भारत सरकार द्वारा घोषित महत्वाकांक्षी जिलों नारायणपुर एवं कांकेर के अंतर्गत रावघाट खदान के समीपस्थ गाँवों में अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विभिन्न सामाजिक कल्याण के कार्य कर रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, आईटीआई प्रशिक्षण, लाईट मोटर वेहिकल ड्राइविंग प्रशिक्षण, किसान प्रशिक्षण, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, नर्सिंग की शिक्षा, चिकित्सकीय सुविधा, सेल खेल मेला, आधारभूत संरचना, सीसी रोड, बिटुमिनस रोड, सेकंडरी रोड, सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम, मिनी स्टेडियम, पुलिया, आँगनबाड़ी, देवगुड़ी, बेनेफिसिएशन बिंजलि डैम का निर्माण, हाई मास्ट लाइट, पेयजल, वाटर टैंक, लाइवलीहुड गतिविधियां, खेल, हाट बाजार शेड, छात्रावास, आश्रम, स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर को उन्नत करना, बोर वेल, ओपीडी बिल्डिंग का निर्माण, बिजली की आपूर्ति, वन विभाग के माध्यम से इको डेवलपमेंट योजना के तहत कार्य, फोर्टिफाइड दूध का वितरण, सोलर लाइट लगाना आदि कार्य शामिल हैं।

खास खबर...

दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुई छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष शालिनी

रायपुर। नई दिल्ली विस्तार भवन में सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी एल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा विनोद तावडे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा रेखा वर्मा (महिला मोर्चा सदस्यता अभियान प्रभारी), राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा वनाथी श्रीनिवासन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विभिन्न जानकारी सदस्यता अभियान को लेकर इस बैठक में दी गई।

1 सितंबर से होने जा रहे सदस्यता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुभारंभ करेंगे। इस कार्यशाला में भारत के लगभग 28 राज्यों से प्रतिनिधित्व शामिल हुए जिसमें छत्तीसगढ़ से बैठक में प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत एवं महिला मोर्चा उपाध्यक्ष ममता साहू उपस्थित रहे। 28 अगस्त को संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित की जा रही है जिसमें प्रदेश पदाधिकारी, कार्य समिति सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, जिला अध्यक्ष एवं जिला के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विस अध्यक्ष ने दिया प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेश वासियां को श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी के अवसर पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। अपने संदेश में डॉ. रमन सिंह ने कहा कि-भगवान श्रीकृष्ण का जीवन फल की चाह से मुक्त सतत् कर्मवाद के सिद्धांत का विराट एवं साक्षात् स्वरूप है।

उन्होंने कहा कि-भगवान श्रीकृष्ण ने आतंक, निराशा, शोषण, पराधीनता और भाग्यवाद जैसी कुरीतियों से लडने के लिए जन-जन के अंदर प्रतिरोध मुखर करने की शक्ति तथा साहस का संचार किया। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि-भगवान श्रीकृष्ण जीवन को उत्साह से जीने की सीख देते है, और सामाजिक कल्याण के लिए प्रेरित भी करते हैं। डॉ. रमन सिंह ने इस अवसर पर आह्वान किया कि श्रीकृष्ण के जीवन से कर्म की प्रधानता की शिक्षा ग्रहण करते हुए उसे अपने कार्य, व्यवहार एवं आचरण में आत्मसात् करना चाहिए।

भक्ति का खूब चढ़ा रंग व मंदिर परिसर भक्तामर स्त्रोत की मधुर स्वरों से गूंज उठा

विश्व शांति के लिए दिगंबर जैन महिला मंडल ने किया अखंड महापाठ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मेंदिगंबर जैन महिला मंडल एवं कार्यकारिणी द्वारा आयोजित की जाने वाली धार्मिक आयोजन की श्रृंखला में जिनालय के मुलनायक आदिनाथ भगवान के समक्ष अखंड 12 घंटे भक्तांबर स्त्रोत महापाठ का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरिता सुनील जैन ने बताया की संपूर्ण विश्व में समृद्धि एवं शांति बने रहे इस निमित्त भक्तांबर स्त्रोत महापाठ का आयोजन किया गया। जिसमे समाज के सभी सदस्य ने सपरिवार उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी श्रद्धा प्रकट की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मूलनाय आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात सुबह 8 बजे से भक्तांबर स्त्रोत शुरू किया गया। यह महापाठ निरंतर 12 घंटे जारी रहा। आचार्य मानतुंग रचित स्त्रोत की महिमा का गुणगान कर भगवान आदिनाथ की आराधना की। इस दौरान धर्मावलंबियों में भक्ति का खूब रंग चढ़ा और मंदिर परिसर भक्तामर स्त्रोत की मधुर स्वरों लहरों से गूंज उठा। इसके उपरांत रात्रि 8 बजे भगवान आदिनाथ की संगीतमयी आरती उतारी गई।

अध्यक्ष श्रीमती सरिता जैन ने बताया की यह एक सुप्रसिद्ध चमत्कारिक स्तोत्र है। क्रुद्ध राजा नृपति द्वारा आचार्य मानतु को बलपूर्वक पकड़वा कर 48 तालों के अन्दर बन्द करवा दिया गया था। उस समय धर्म की रक्षा और प्रभावना हेतु आचार्यश्री ने भगवान आदिनाथ की इस स्तुति की रचना की थी जिससे हर श्लोक के साथ एक एक करके 48 ताले स्वयं टूट गये थे और राजा ने क्षमा मांगकर उनके प्रति बड़ी भक्ति प्रदर्शित की थी । भक्तामर का प्रतिदिन पाठ समस्त विघ्न बाधाओं का नाशक और सब प्रकार मंगलकारक माना जाता है। इसका प्रत्येक श्लोक मंत्र मानकर उसकी आराधना भी की जाती है। इस महापाठ में शांति मंत्र का एक-एक शब्द और अर्थ मनुष्य के जीवन के लिए महाकल्याणकारी है सभी प्रकार के रोग और दुखों को निवारण करने वाला यह शांति मंत्र है।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से सभी संरक्षिका श्रीमती शालिनी जैन,आभा जैन, संध्या जैन (ब्रह्मपुरी), श्रीमती अरुणा जैन गुरुकृपा, विमलादेवी जैन, सचिव सपना संजय जैन, कोषाध्यक्ष रेखा जैन, दीप्ति जैन, शालिनी जैन, ममता जैन, सुनीता जैन,ज्योति जैन, प्रीति जैन, सोनम जैन, प्राची जैन, डिंपल जैन,संगीता के साथ साथ समाज की सभी महिलाओं एवं पुरषों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

शान्ति सरोवर में सजाई मई मनमोहक झाँकी

बाल कलाकारों द्वारा 'श्री कृष्ण का तुलादान' प्रसंग की मनभावन प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर विधानसभा मार्ग पर शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में बहुत ही आकर्षक झाँकी सजाई गई है। जिसमें इस संस्थान के बाल कालाकारों द्वारा महारास और श्रीकृष्ण का तुलादान नामक नृत्य नाटक की प्रस्तुति मन को मोह लेती है। यह झाँकी सोमवार को शाम पांच बजे से रात के दस बजे तक अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि श्रीकृष्ण जयन्ती पर यही ईश्वरीय सन्देश है कि श्रीकृष्ण के दैवी गुणों और विशेषताओं को जीवन में उतारने का प्रयास किया जावे। गीता में बतलाए अनुसार अपने अन्दर छिपे हुए शत्रुओं काम, क्रोधादि विकारों का नाश करने से ही छोटी-मोटी बातों के लिए जो घर-घर में महाभारत चल रहा है, उसे समाप्त कर सकेंगे।

ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने आगे कहा कि विज्ञान के इस युग में श्रीकृष्ण की जयन्ती मना लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनके द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में गहन चिन्तन कर उसे जीवन में उतारने की जरूरत है।

उन्होंने बतलाया कि अर्जुन का अर्थ होता है ज्ञान अर्जन करने वाला।

श्रीकृष्ण जयन्ती और गीता की सार्थकता इसी में है कि हरेक मनुष्य अर्जुन बने और गीता का अच्छी तरह से विवेचन कर उसे आत्मसात करने का प्रयास करे। कोई भी मनुष्य किसी का शत्रु नहीं होता है। इसका स्पष्ट उल्लेख श्रीमद भगवद् गीता में मिलता है जिसमें लिखा है कि हे अर्जुन मनुष्य के अन्दर व्याप्त काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार ही उसके शत्रु हैं। जब हम इन विकारों पर विजय प्राप्त कर लेंगे तभी हम सुख और शान्ति से रह सकेंगे। गीता के माध्यम से समाज को यह सन्देश दिया गया है कि परमात्मा के साथ प्रीत बुद्धि होकर रहो क्योंकि इससे ही परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने में परमात्मा की मदद मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का तुला दान नाटक में यही दर्शाया गया है कि सत्यभामा ने कृष्ण को माया और शक्ति के माध्यम से प्राप्त करना चाहा किन्तु पा न सकी। वहीं दूसरी ओर रूक्मणी ने सच्ची प्रीत से प्रभु को पा लिया।

आकर्षक पोशाक व डांस से दर्शकों का मन मोह लिया

इस्कॉन मंदिर टाटीबंध में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की शुरूआत हो चुकी है। इस भव्य महोत्सव का शुभारंभ बाल महोत्सव फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं भक्ति नृत्य के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में इस्कॉन मंदिर अध्यक्ष एच एच सिद्धार्थ स्वामी, उपाध्यक्ष स्वामी सुलोचन कृष्ण दास ओर जनार्दन दास शामिल हुए। मंदिर प्रांगण में आए प्रतिभागी बच्चों ने बाल कृष्ण और राधा रानी के रूप में फैंसी ड्रेस स्पर्धा में भाग लिया। वहीं, भक्ति नृत्य में भाग लेने वालों बच्चों ने भी अपनी आकर्षक पोशाक और डांस स्टेप से दर्शकों का मन मोह लिया। बाल महोत्सव कार्यक्रम की संयोजिका कंचन सिंघानिया और सुलोचन बंका ने बताया कि इस्कॉन मंदिर में पिछले 23 वर्षों से बाल फैंसी ड्रेस स्पर्धा और भक्ति नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। दोनों स्पर्धाओं में कुल 350 बच्चों ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया, जिसमें फैंसी ड्रेस में 50, भक्ति नृत्य के जूनियर वर्ग में 150 और सीनियर वर्ग में 150 बच्चों ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दोनों स्पर्धाओं में निर्णायक के रूप में परमिंदर कौर और भावेश मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के प्रचार प्रसार प्रभारी दिलीप केडिया ओर राजेंद्र पारख ने बताया कि मंदिर प्रांगण को कलकत्ता से मंगाए गए फूलों से सजाया जा रहा है। वहीं, मुंबई और वृंदावन से भगवान के लिए वस्त्र मंगाए गए है। महोत्सव के दूसरे दिन 26 अगस्त, सोमवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महा महोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस दिन सुबह 4.30 बजे से मंदिर में पूजन-अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे जो रात्रि 1 बजे तक चलेंगे। सुबह से मंदिर में मंगल आरती, तुलसी आरती, गुरू पूजा, परम पूज्य सिद्धार्थ स्वामी जी द्वारा श्री कृष्ण बाल लीला गुणगान, भजन-कीर्तन, राजभोग अर्पण, राजभोग आरती, उस्थापन आरती, भजन संध्या, संध्या आरती, प्रसाद वितरण, कलश अभिषेकम, महाअभिषेकम, छप्पन भोग अर्पण और रात्रि 1 बजे महाआरती होगी।

निगम का अत्याधुनिक को-वर्किंग व इनक्यूबेशन सेंटर आईएसबीटी शीघ्र होगा लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम के कमिश्नर अविनाश मिश्रा ने आईएसबीटी भाटागांव स्थित नगर निगम के आगामी को-वर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर का दौरा किया। यह अत्याधुनिक सुविधा, जिसे आरडीयूपीएसएस योजना के तहत संचालित किया जाएगा, नवोन्मेशी उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म प्रदान करेगी।

इस केंद्र के पहले चरण में 150 सीटों वाला को-वर्किंग स्पेस तैयार किया गया है, जिसमें भविष्य में 500 सीटों तक विस्तार करने की योजना है। यह सुविधा सभी आधुनिक आवश्यकताओं से सुसज्जित है, जिसमें तीन छोटे और एक बड़े कॉन्फ्रेंस रूम, फाउंडर केबिन्स, मनोरंजन के लिए गेम्स और बैठने के स्थानों के साथ एक सामुदायिक हॉल, उच्च गति वाई-फाई, रिसेप्शन और प्रतीक्षा लाउंज, और एक कैंटीन शामिल हैं।

नगर निगम ने सिस्टम इंटीग्रेटर को शामिल करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है, जिसकी प्रक्रिया सितंबर के पहले सप्ताह तक पूरी होने की उम्मीद है। अपने दौरे के दौरान, कमिश्नर मिश्रा ने परियोजना प्रभारी को निर्देश दिया कि शेष सभी कार्य अगले सात दिनों के भीतर पूर्ण किए जाएं। यह को-वर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर रायपुर में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उभरते स्टार्टअप्स को आवश्यक सहयोग और बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा।

मंत्री राजवाड़े ने मां चंडी का दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एक दिवसीय बागबाहरा प्रवास पर रहीं। वहां उन्होंने मां चंडी का दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। बागबाहरा प्रवास के दौरान लक्ष्मी राजवाड़े ने फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बागबाहरा का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। बच्चों ने इस मौके पर विभिन्न प्रकार की कला का प्रदर्शन किया, जिसमें गाने, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

भाजपा सदस्यता अभियान वार रूम का हुआ उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा सदस्यता अभियान वार रूम का उद्घाटन कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में किया है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, मुरलीधर मोहोल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडे, मंत्री केदार कश्यप, सदस्यता अभियान के प्रभारी अनुराग सिंहदेव, विधायक गुरु खुशवंत, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सव्वनी, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामू रोहरा,पूर्व विधायक नारायण चंदेल, रजनीश सिंह, नवीन मार्कण्डेय सहित वरिष्ठ नेतागण मौजूद थे।

एकीकृत पेंशन योजना का पेंशनरों ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ शासन से इसे तुरंत लागू करने की मांग

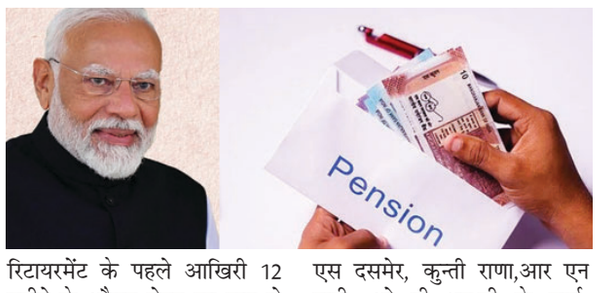

रायपुर। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 1 अप्रैल 2025 से लागू होने वाली एकीकृत पेंशन योजना का पूर्व कर्मचारी नेता, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने इसे कर्मचारियों की भविष्य को आर्थिक सुरक्षा देने वाला निरूपित कर स्वागत किया है और छत्तीसगढ़ राज्य में भी इसे तुरंत लागू करने हेतु मुख्यमंत्री से आग्रह किया है।

उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया है कि इस योजना के तहत 10 साल तक सरकारी नौकरी करने वाले को 10 हजार रुपये की पेंशन मिलेगी और 25 साल नौकरी करने वाले को पूरी पेंशन दी जाएगी। वहीं अगर किसी कर्मचारी की नौकरी के समय मौत हो जाती है तो उसकी पत्नी को 60 प्रतिशत पेंशन दी जाएगी। अगर किसी कर्मचारी ने 25 साल तक काम किया है तो रिटायरमेंट के पहले आखिरी 12 महीने के औसत वेतन का कम से कम 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा। सभी एनपीएस वालों को यूपीएस में जाने का विकल्प मिलेगा। सरकार इसके लिए एरियर का भी भुगतान करेगी। जो कर्मचारी 2004 से रिटायर हो चुके हैं उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार ने ये भी कहा कि अगर राज्य की सरकार यूपीएस को लागू करना चाहती हैं तो वो भी इसे लागू कर सकती हैं।

पेंसनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश रायपुर के नेता क्रमश: वीरेन्द्र नामदेव, जे पी मिश्रा, पुरानसिंह पटेल, सुरेश मिश्रा,द्रोपदी यादव, लोचन पाण्डे,अनिल गोल्हानी, बी एस दसमेर, कुन्ती राणा,आर एन टाटी, ओ पी भट्ट,बी के वर्मा, दिनेश उपाध्याय,राकेश जैन, आई सी श्रीवास्तव, प्रदीप सोनी, रमेश नंदे, रणविजय सोनी, आर जी बोहरे, एस के चिलमवार,बी एल यादव, सी एल चंद्रवंशी, हरेन्द्र चंद्राकर, नरसिंग राम, ओ डी शर्मा, मालिकराम वर्मा, अनिल तिवारी,के जी विसेंट, रामगोपाल श्रीवास्तव, व्ही टी सत्यम,नागेन्द्र सिंह, आर डी झाड़ी, एस एन देहारी, पी एन उड़कुड़े, जगदीश कनौजिया, एस के घाटोडे, मो कासिम, आर के नारद, आदि ने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार से केन्द्र सरकार द्वारा घोषित किए गए निर्णय को राज्य में तुरंत लागू करने की मांग की है।

सुसंस्कारों का बीजारोपण - रविवारीय परमात्म पूजन में सैकड़ों बच्चो ने नवांगी पूजन, चैत्यवन्दन सीखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी की प्रेरणा से प्रति रविवार को बच्चों के मन मस्तिष्क में सुसंस्कार के बीजारोपण करने श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सकारात्मक पहल करते हुए बच्चों को प्रभु नवांगी पूजन , देववंदन विधि सिखाई जाती है। अनुमोदना स्वरूप बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि प्रात: से ही बच्चे पूजन के वस्त्र जैन संस्कृति के परिचायक धोती दुप्पटा पहन कर आते हैं तथा अपने मधुर कंठ से प्रभु भक्ति के श्लोक, नवांगी पूजन के दोहे व दर्शनम देव देवस्य , दर्शनम पाप नाशनम , दर्शनम स्वर्ग सोपानाम , दर्शनम मोक्ष साधनम के पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों

ने श्री सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। यही नहीं इस प्रयास से बच्चो के माता पिता भी प्रात: से ही पूजन में आने लगे हैं। ट्रस्टी निलेश गोलछा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा भावी पीढ़ी को संस्कारित करने रात्रि धार्मिक पाठशाला का भी संचालित हो रही है।

ट्रस्टी डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि आज 56 बच्चों को जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई , सर्वप्रथम परमात्मा के अंगूठे की पूजा करते हुए दोहा जल भरी सम्पुट पत्र मां , युगलिक नर पूजन , ऋषभ चरण अंगुठडो दायक भवी जल अंत भावपूर्वक बोला जाता है। जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवंदन की प्रक्रिया सिखाई गई , बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया। अंत में दादागुरुदेव इक्तिसा का पाठ किया गया।

बालों के झड़ने का कारण कहीं ये चीज तो नहीं, भुलकर भी न करें इसका इस्तेमाल

बालों के झड़ने से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। ऐसे में वह कई प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। यही नहीं कुछ लोग तो मेडिकल ट्रीटमेंट की भी मदद लेते हैं, लेकिन झड़ते बालों को मजबूत बनाने के लिए लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जो उन्हें भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। आइए जानते हैं उन गलतियों के बारे में जिससे बाल और ज्यादा झड़ने लगते हैं।

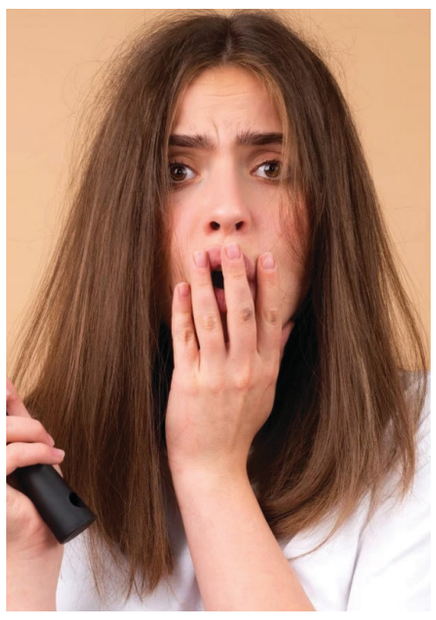

भूलकर भी न करें ये गलतियां

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, लेकिन बाल जब जरूरत से ज्यादा झड़ने लगे, तो इसके कई कारण हो सकते हैं। अधिकतर लड़के लड़कियां बालों में नए-नए प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ प्रोडक्ट में केमिकल मिला होने की वजह से बाल कमजोर पड़ते हैं और झड़ने लगते हैं। ऐसे में आपको किसी डॉक्टर या हेयर स्पेशलिस्ट की मदद लेनी चाहिए और अपने प्रोडक्ट को अपने बालों के हिसाब से चुनना चाहिए।

हिट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल

कई बार लड़के लड़कियां स्ट्रेटनर, कर्लर जैसे कई हिट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से भी बाल कमजोर पड़ने लगते हैं, बालों की नमी खत्म हो जाती है और बाल लगातार झड़ने लगते हैं।

हेयर कलर

कुछ लोग हेयर कलर करवा लेते हैं, लेकिन हेयर कलर में मौजूद रसायन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और इससे भी बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में हेयर कलर करने से पहले हेयर स्पेशलिस्ट या किसी डॉक्टर की सलाह जरूर है।

प्रोटीन, विटामिन की कमी

कई बार प्रोटीन की कमी की वजह से भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों का विकास रुक जाता है। यही नहीं आयरन की कमी से भी एनीमिया होता है, जिससे बालों का झड़ना और अधिक बढ़ जाता है। बालों का झड़ना विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन डी और विटामिन ई की कमी से भी बढ़ने लगता है। ऐसे में आप स्वस्थ और संतुलित आहार का सेवन करें और प्रोटीन विटामिन की कमी को पूरा करें।

पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें

आप दिन भर में भरपूर पानी पिए, पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें। इसके अलावा अगर आपको डायबिटीज, थायराइड जैसी बीमारी है, तो डॉक्टर को बालों के झड़ने की समस्या भी बताएं। इन सभी चीजों को करने के बाद भी अगर आपके बाल झड़ना बंद नहीं हो रहे हैं, तो आप किसी अच्छे पेशेवर डॉक्टर की मदद ले सकते हैं।

पर्पल साड़ी पहने हुए एक्ट्रेस अवनीत कौर ने दिखाईं कातिल अदाएं, तस्वीरें देखकर नजरें नहीं हटा पाएंगे आप

एक्ट्रेस अवनीत कौर लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के बीच अपनी खास पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका एथनिक लुक देखकर फैंस उनके कातिलाना अंदाज की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब बेहद ही कम उम्र में एक्ट्रेस ने लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है, जिसमें उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस एथनिक लुक में फैंस के बीच कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि वो जब भी अपनी फोटोज लोगों के बीच शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अवनीत कौर की इन लेटेस्ट तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देते हुए कहर ढा दिया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पर्पल कलर की नेट साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बोल्ड एंड ब्यूटिफुल नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके लुक को फॉलो करते हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

सर्दियों में गर्म पानी से नहाना हो सकता है नुकसानदायक

अगर आप सर्दियों में गर्म पानी से नहा रहे हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना काफी जरूरी है। अगर आपने ख्याल नहीं रखा तो सर्दी में गर्म पानी से नहाने का नुकसान ऐसा मिलेगा कि आप सोच भी नहीं पाएंगे।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर सर्दी के मौसम में आप ज्यादा देर तक गर्म पानी से नहाते हैं तो सेहत के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ज्यादा गर्म पानी से लंबे समय तक नहाने से शरीर और दिमाग दोनों पर बुरा असर पड़ता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी में केराटिन स्किन सेल्स को डैमेज करता है, जिस वजह से त्वचा में खुजली, सूखापन और रैशेस की समस्य पैदा हो जाती है. इसलिए सलाह दी जाती है कि हमेशा सर्दियों में हल्के गर्म पानी से ही नहाना चाहिए।

एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर सर्दियों में आप तेज गर्म पानी से नहाते हैं तो यह शरीर में सुस्ती का कारण भी बन सकता है. दरअसल, गर्म पानी से नहाकर बॉडी रिलैक्स मोड में आ जाती है और इंसान को नींद आती है। इससे आपकी दिनभर की ऊर्जा पर भी असर देखने को मिल सकता है। आज सुस्त महसूस कर सकते हैं। वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी से नहाने से आपको बालों को भी नुकसान पहुंचता है। तेज गर्म पानी आपके बालों को डैमेज कर सकता है। दरअसल, गर्म पानी से बालों में नमी कम हो जाती है, जिस वजह से वह रूखे और बेजान होने लगते हैं।

ज्यादा कपड़े न पहनें

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादा भी कपड़े नहीं पहनने चाहिए। ऐसा करने से आपका शरीर ओवरहीटिंग का शिकार भी हो सकता है। दरअसल, जब इंसान को ठंड लगती है तो उसका इम्यून सिस्टम व्हाइट ब्लड सेल्स बनाता है, जो इंफेक्शन और बीमारियों से बचाव में मददगार है। ऐसे में बॉडी ओवरहीट होने पर इम्यून अपना काम ठीक से नहीं कर पाता है।

सुधीर बाबू-प्रेरणा अरोड़ा की पैन-इंडिया फिल्म जटाधारा का पहला लुक हुआ जारी, जल्द शुरु होगी शूटिंग

सुधीर बाबू की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म जटाधारा का पहला लुक रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म एक सुपरनैचुरल-मिस्ट्री थ्रिलर है, जिसे निर्देशक वेंकट कल्याण द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। जटाधारा फिल्म की कहानी को रहस्य और अलौकिक तत्वों के साथ गढ़ा गया है, जो दर्शकों को रोमांचित करने का वादा करती है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही हैदराबाद में शुरू होने वाली है।

इस फिल्म का निर्माण शिविन नारंग, प्रेरणा अरोड़ा, निखिल नंदा और उज्ज्वल आनंद द्वारा किया जा रहा है, और यह फिल्म एसएसकेजी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। पहले लुक में सुधीर बाबू का अनोखा अवतार देखने को मिला है, जो दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। सुधीर बाबू का यह पैन-इंडिया प्रोजेक्ट उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है, और इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं।

फिल्म के पहले लुक ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है, जिसमें फिल्म के दिलचस्प कथानक को दिखाया गया है और एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव के लिए मंच तैयार किया गया है। मुख्य भूमिका में सुधीर बाबू और पर्दे के पीछे एक प्रतिभाशाली टीम के साथ, जटाधारा पूरे भारत में दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार है।

जैसे-जैसे निर्माण आगे बढ़ेगा, प्रशंसक और उद्योग के अंदरूनी लोग इस रोमांचक नई परियोजना के बारे में अधिक जानकारी और अपडेट का बेसब्री से इंतजार करेंगे। फिल्म में रहस्य और अलौकिकता का मिश्रण एक आकर्षक कथा और अभिनव कहानी कहने की क्षमता प्रदान करेगा।

कश्मीर में शूट होगी अल्फा, मुंज्या फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ को बेसब्री से इंतजार

मुंज्या फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ अल्फा में अहम किरदार अदा करती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कश्मीर के कुछ लोकेशन्स पर होगी। एक्ट्रेस शरवरी इसे लेकर खासा उत्साहित हैं।

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने कहा, वह कश्मीर के खूबसूरत इलाकों में शूटिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और आलिया भट्ट अभिनीत आगामी फिल्म 'अल्फा' के लिए यह एक रोमांचक शेड्यूल होगा। बताया जा रहा है कि अल्फा टीम अपने दूसरे शेड्यूल के लिए कश्मीर जा रही है और फिल्म की शूटिंग 26 अगस्त से कश्मीर घाटी में शुरू होगी।

शरवरी ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बताया, मैं अल्फा के सेट पर जाने के लिए बेताब हूं और कश्मीर में होने वाली वाली शूटिंग का इंतजार कर रही हूं। मैं यही बात सोचकर रोमांचित हूं कि यह शेड्यूल बहुत एक्साइटेड होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलेगी, इसलिए हम सब कश्मीर के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने फिल्म के सेट को लेकर अपनी उत्सुकता का भी इजहार किया। कहा, मैं अल्फा के सेट पर बेहद ऊर्जावान रहती हूं। मैं इस दौरान हर चीज को सीखने और बेहतर बनाने की कोशिश करती हूं। अपने करियर में इतनी जल्दी इस तरह का अवसर हासिल करना वास्तव में मेरे लिए एक आशीर्वाद है। मुझे इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है, इसमें हमारी फिल्म इंडस्ट्री के मेगास्टार्स हैं।

बता दें कि शरवरी हाल ही में हॉरर-कॉमेडी मुंज्या में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 100 करोड़ रुपए कमाए थे। इसके अलावा वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज महाराज और जॉन अब्राहम के साथ वेदा फिल्म में भी नज़र आई थीं।

पैरों में हमेशा रहता है दर्द तो हो सकते हैं हाई कोलेस्ट्रॉल के संकेत

पैर में दर्द की समस्या एक आम बीमारी है। यह हर उम्र के लोगों को किसी भी कारण हो सकती है। हालांकि, यह आम सी दिखने वाली बीमारी कई बार हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारी की चेतावनी भी हो सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल (पीएडी) का कारण बन सकता है, यह एक ऐसी समस्या है जो पैरों में ब्लड सर्कुलेश में भी प्रॉब्लम कर सकती है।

पैर में दर्द-ऐंठन और बैचेनी का कारण बन सकती है हाई कोलेस्ट्रॉल

जिसके परिणामस्वरूप पैर में दर्द, ऐंठन या बेचैनी हो सकती है। अगर इसके लक्षणों को वक्त रहते पहचान ली जाए तो कई सारी गंभीर और जानलेवा बीमारी से जान बचाई जा सकती है। जैसे दिल के दौरे और स्ट्रोक सहित अधिक गंभीर स्वास्थ्य परेशानियों को रोकने में महत्वपूर्ण हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल और पैर दर्द के बीच का कनेक्शन

कोलेस्ट्रॉल, रक्त में पाया जाने वाला एक फैट जैसा पदार्थ है, जो हेल्दी सेल्स के बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, जब कोलेस्ट्रॉल का लेवल बहुत अधिक होता है, तो यह आपकी नसों फैट या कहें प्लाक बनने लगता है। जिसे एथेरोस्क्लेरोसिस के रूप में जाना जाता है। समय के साथ, ये प्लाक नसों को सख्त और संकीर्ण कर सकते हैं, जिसके कारण पैरों सहित शरीर के दूसरे हिस्सों में ब्लड सर्कुलेशन में काफी ज्यादा दिक्कत होती है।

पैर के दर्द को इग्नोर करना खतरनाक हो सकता है

पैर के दर्द को नज़रअंदाज़ करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पैड सिर्फ़ हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत नहीं है। यह दिल से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकती है। अगर इसका इलाज न किया जाए, तो पैड बढ़ सकता है, जिससे दिल के दौरे, स्ट्रोक और गंभीर समस्या पैदा हो सकती है। जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक पैर में लगातार दर्द दिल से जुड़ी बीमारियों का कारण बन सकता है। जिन लोगों के अक्सर पैर में दर्द रहते हैं उन्हें हार्ट अटैक, दिल से जुड़ी दूसरी बीमारी, स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा रहता है। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया कि जिन लोगों को पैर में काफी दिनों से लगातार दर्द।

रेलवे स्टेशनों में सहायक कुलियों की मदद से यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा स्टेशनों में कार्यरत सहायक को यात्रियों की उत्तम सेवा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया इसमें रायपुर मंडल में कार्यरत सहायक (कुलियों) ने भाग लिया उन्हें यात्रियों के साथ सौम्य व्यवहार एवं भविष्य में मोबाइल ऐप के माध्यम से यात्रियों के द्वारा सहायकों की बुकिंग की जा सकेगी का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने कार्यशाला की सार्थकता पर प्रकाश डाला सभी सहायकों को ऐसा व्यवहार अनुकूलन बनाया जाए जिससे रायपुर स्टेशन एक मिसाल बन जाए एवं यात्रियों को उनकी सेवा का अविस्मरणीय एहसास अमिट छाप छोड़ दे।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने कार्यशाला की उपयोगिता को सार्थक पहल बताते हुए एक अभिनव प्रयास बताया सहायकों के साथ वार्तालाप सेक्शन रखा गया मंडल रेल प्रबंधक ने सहायकों से वार्ता की उन्हें नवीन तकनीकों सामाजिक बदलाव के साथ सबको आगे बढ़ना हैं। सहायक रेलवे स्टेशनों पर काम करने वाले ऐसे प्रथम कर्मी हैं जो यात्रियों से प्रत्यक्ष संवाद करते हैं आपका व्यवहार ऐसा हो जिससे रेल की अच्छी छवि यात्रियों के मध्य बनी रहें। नए अवसरों की तलाश की जा रही हैं जिससे सहायकों की आमदनी में इजाफा हो सके। सहायको (कुलियों) ने स्टेशनों पर घटित अपने कार्य अनुभव यात्रियों से मिले अच्छे फीडबैक के साथ सांझा किया।

132 सहायक कुली कार्यरत

रायपुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 132 सहायक कुली कार्यरत है रायपुर स्टेशन पर 105 सहायक हैं जिसमें 8 महिला सहायक है। सहायकों में रायपुर कुली संघ के अध्यक्ष वेंकट सहित थानेश्वर साहू,अमन कुमार साहू, लेख राम जांगड़े, भोला राम, विकास चंद्र टांडी ने रेलवे द्वारा दी जा रही सुविधाएं एवं रेलवे के द्वारा किए गए इस प्रयास की संभावना की और बताया कि इस तरीके का अभिनव प्रयास में उत्साहित किया है और वह यात्रियों की हर संभव मदद करने के लिए तत्पर रहते और दुगने उत्साह के साथ यात्रियों की सेवा करेंगे।

शिष्टाचार का समावेश कर करें काम

डॉक्टर बलबीर सिंह सीनियर लेक्चरर एवं प्रिया शर्मा हेड ऑफडिपार्मेंट, स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़होटल मैनेजमेंट नया रायपुर ने व्यवहारिक कौशलता में निपुणता के लिए सेमिनार में प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया, अपना व्यवहार, परिधान, सौम्य व्यवहार, स्वच्छता एवं शारीरिक शिष्टाचार का समावेश करते हुए अपना कार्य करने की बात कही उक्त सेमिनार में रायपुर रेल मंडल के सभी महिला- पुरुष सहायकों कुलियों ने भाग लिया इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक राकेश सिंह, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) अविनाश कुमार आनंद सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स) अरबिंद कुमार साव वाणिज्य विभाग में सहायकों संबंधित कार्यभार इंचार्ज प्रभाकर राव, वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक उपस्थित रहें। मंच का संचालन कौशल प्रसाद द्वारा किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने सहायकों के विकास के लिए उनकी आर्थिक, मानसिक, कौशल विकास के लिए आगे भी ओर आयोजन किए जाने की बात कही यात्रियों को और बेहतरीन सुविधा मिलने से यात्रियों की सेवा संतुष्टि बेहतर होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत को एक फिट राष्ट्र बनाना है : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल और श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बातचीत के दौरान खेल दिवस पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत को एक फिट राष्ट्र बनाना है। उनके फिट इंडिया मूवमेंट की परिकल्पना प्रत्येक नागरिक के लिए एक कार्यक्रम है और मैं आप सभी को इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल दिवस पर इस राष्ट्रव्यापी उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता हूं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं कि जो खेलता है, वो खिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में खेलों को उत्साहित करने की दिशा में अनेकों कदम उठाए, जिसके परिणाम हमें जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहे हैं। युवाओं का रुझान भी खेलों की ओर बढ़ रहा है। खेल मंत्री ने कहा, एक घंटे हम सभी भारतवासी बाहर जाकर खेलें। खेलों को प्रोत्साहित करें। फिट इंडिया अभियान को तेजी दें। ऐसा करके हम खुद को फिट रख सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा, हमें संतुलित और स्वस्थ जीवन बनाए रखने में खेल मदद कर सकते हैं। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ खेलों में शामिल होने और एक फिट और सक्रिय भारत के निर्माण की दिशा में एक कदम उठाने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। हर साल, राष्ट्रीय खेल दिवस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित करने में उनके योगदान के लिए हमारे खेल नायकों को एक सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।

रंग-बिरंगी तितलियों की जानकारी रहा आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के नंदनवन जंगल सफारी में 24 अगस्त को तितलियों पर वॉक एंड टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रायपुर, कुरुद और बिलासपुर के विभिन्न कॉलेजों से 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वॉक एंड टॉक कार्यक्रम की शुरुआत में कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष श्री जे.पी. टंडन ने विद्यार्थियों को तितलियों की पारिस्थितिकी में महत्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया। इसके पश्चात शासकीय साइंस कॉलेज रायपुर के जूलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. कविता दास ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि अत्याधिक कीटनाशकों के उपयोग के कारण तितलियों की संख्या में तेजी से गिरावट हो रही है, जो पर्यावरण के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस दिशा में संवेदनशीलता विकसित करने और संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में इसके बाद विद्यार्थियों के वॉक की शुरुआत हुई, जिसमें छात्रों को दो समूहों में बाँटा गया। वॉक के दौरान उन्होंने 3 किलोमीटर के ट्रेल पर तितलियों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान की। इस दौरान छात्रों ने कॉमन क्रो, एमिग्रेंट, ग्रेट एगफ्लाई, सेलर जैसी तितलियों को देखा।

वॉक के अंत में, सभी विद्यार्थी जू कैंपस में स्थित बटरफ्लाई गार्डन पहुँचे, जहाँ उन्हें होस्ट प्लांट्स के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि तितलियों के जीवनचक्र में इन पौधों की क्या भूमिका होती है और कौन से पौधे तितलियों के जीवित रहने में अहम भूमिका निभाते है । भ्रमण के उपरांत विद्यार्थियों को इंटरप्रिटेशन हॉल में जंगल सफारी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

वॉक एंड टॉक कार्यक्रम में नंदनवन जंगल सफारी के निदेशक धम्मशील गणवीर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जंगल सफारी को एक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करना है, जहाँ विद्यार्थी वन्यजीवों पर शोध और अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को जंगल सफारी में युवान वालंटियर प्रोग्राम में शामिल होने के लिए भी अपील की द्य कार्यक्रम अंत में सभी विद्यार्थियों को उनकी भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उन्हें चिड़ियाघर का भ्रमण कराया गया। जहाँ उन्होंने तितलियों और अन्य जीवों को नजदीक से देखा।

रिलीज से पहले ही विवादों में फंसी कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी', फिल्म को बैन करने की उठी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिन्दी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री व मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। लेकिन, ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से कंगना की फिल्म विवादों में घिर गई है। फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म देश में लगाए गए आपातकाल पर आधारित है।

पंजाब के फरीदकोट लोकसभा सीट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने कंगना की नई फिल्म के ट्रेलर पर आपत्ति जताई है। सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर हाल ही में एक पोस्ट लिखा। पोस्ट में सिंह ने फिल्म इमरजेंसी में सिखों को गलत तरीके से चित्रित करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने लिखा कि इस फिल्म से समाज में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका है।

अगर इस फिल्म में सिखों को अलगाववादी या आतंकवादी के रूप में फिल्माया गया है तो यह एक गहरी साजिश है। यह फिल्म अन्य देशों में सिखों के प्रति नफरत पैदा करने का मनोवैज्ञानिक हमला है, जिस पर सरकार को पूर्व संज्ञान लेकर रोक लगानी चाहिए। देश में सिखों पर नफरत भरे हमलों की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं, ऐसे में यह फिल्म सिखों के प्रति नफरत फैलाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि सिखों ने इस देश के लिए बहुत बड़ी कुर्बानियां दी हैं, जिन्हें फिल्मों के माध्यम से पूरी तरह से उजागर नहीं किया गया है। लेकिन सिखों को बदनाम करने की हर संभव कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए आपत्तिजनक फिल्मों या गानों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

सांसद के विरोध का समर्थन करते हुए एसजीपीसी ने भी फिल्म को लेकर विरोध जताया है। कमेटी की ओर से कहा गया है कि इस फिल्म के रिलीज होने से देश का माहौल खराब हो सकता है।

वहीं, अपनी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर एक पॉडकास्ट में कंगना से जब यह सवाल किया गया कि आपकी फिल्म के ट्रेलर को लेकर जहां एक तरफ प्यार मिल रहा है, वहीं पंजाब में इसका विरोध शुरू हो गया है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि विरोध क्यों हो रहा है। उड़ता पंजाब जैसी फिल्मों के माध्यम से दिखाया गया है कि पंजाब में क्या हो रहा है। पंजाब में जो हो रहा है उसे लेकर पूरा देश चिंतित है।

कोलकाता रेप कांड पर बोले पीएम मोदी

दोषी कोई भी हो, वह बचना नहीं चाहिए

महाराष्ट्र (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेपाल बस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही, उन्होंने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले पर कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य है और दोषी कोई भी हो, बचना नहीं चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का कोई भी राज्य हो, अपनी बहनों और बेटियों की पीड़ा और उनके गुस्से को वह समझ रहे हैं। उन्होंने कहा, आज मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से कहूंगा और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है।

उन्होंने कहा, दोषी कोई भी हो, वह बचना नहीं चाहिए। उसको किसी भी रूप में मदद करने वाले बचने नहीं चाहिए। अस्पताल हो, स्कूल हो, दफ्तर हो या फिर पुलिस व्यवस्था, जिस भी स्तर पर लापरवाही होती है सबका हिसाब होना चाहिए। ऊपर से नीचे तक मैसेज एकदम साफ जाना चाहिए कि यह पाप अक्षम्य है। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए हमारी सरकार कानूनों को भी लगातार सख्त कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि नेपाल के बस हादसे में महाराष्ट्र के जलगांव के अनेक लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने सभी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा, जैसे ही ये हादसा हुआ भारत सरकार ने तुरंत नेपाल सरकार से संपर्क किया। हमने हमारी मंत्री रक्षा खडसे को तुरंत नेपाल जाने के लिए कहा। हमारे जो परिजन नहीं रहे उनके पार्थिव शरीर को हम वायुसेना के विमान से वापस लाए हैं। जो घायल हैं, उनका अच्छे से इलाज चल रहा है। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने कहा कि आज लखपति दीदियों का महासम्मेलन हो रहा है। मेरी बहनें यहां बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। आज यहां से देशभर के लाखों सखी मंडलों के लिए छह हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है। मेरी सभी माताओं-बहनों को बहुत-बहुत शुभेच्छा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान जब मैं आपके पास आया था, तो मैंने वादा किया था कि हमें तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है। इसका मतलब है कि जो महिलाएं स्वयं सहायता समूहों में काम करती हैं और उनकी सालाना आय एक लाख रुपये से अधिक हो। पिछले 10 साल में एक करोड़ लखपति दीदी बनीं। महाराष्ट्र में माताओं-बहनों के लिए, नौजवानों और किसानों के लिए एक से बढ़कर एक स्कीम्स, नई-नई योजनाएं चलाई जा रही हैं। लखपति दीदी बनाने का यह अभियान... पूरे परिवार को और आने वाली पीढ़ियों को सशक्त करने का एक महा-अभियान है। ये गांव के पूरे अर्थतंत्र को बदल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि पोलैंड के लोग, महाराष्ट्र के लोगों का बहुत सम्मान करते हैं। वहां की राजधानी में एक कोल्हापुर मेमोरियल है। पोलैंड के लोगों ने ये मेमोरियल, कोल्हापुर के लोगों की सेवा और सत्कार की भावना को सम्मान देने के लिए बनाया है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान, पोलैंड की हजारों माताओं और बच्चों को कोल्हापुर के राज परिवार ने शरण दी थी।

साथ ही पीएम ने अरुणाचल प्रदेश के वन्यजीव प्रेमी कहानी भी बताई। बोले- साथियो, पशुओं के प्रति प्रेम में हमारे अरुणाचल प्रदेश के युवा साथी भी किसी से पीछे नहीं हैं। अरुणाचल में हमारे कुछ युवा-साथियों ने श्री डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करना शुरू किया है ङ्क जानते हैं क्यों?क्योंकि, वो, वन्य जीवों को सींगों और दांतों के लिए शिकार होने से बचाना चाहते हैं।

नाबम बापू और लिखा नाना के नेतृत्व में ये टीम जानवरों के अलग-अलग हिस्सों की डी प्रिंटिंग करती है। जानवरों के सींग हों, दांत हों, ये सब, डी प्रिंटिंग से तैयार होते हैं। इससे फिर ड्रेस और टोपी जैसी चीजें बनाई जाती हैं। ये गजब का अलटर्नेटिव है जिसमें बायोडिग्रेडेबल मटिरियल का उपयोग होता है। ऐसे अद्भुत प्रयासों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। मैं तो कहूंगा, अधिक से अधिक स्टार्ट अप्स इस क्षेत्र में सामने आएं ताकि हमारे पशुओं की रक्षा हो सके और परंपरा भी चलती रहे।

एड्स जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय रेड रन मैराथन, 2 किमी दौड़े 300 से ज्यादा युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में रायपुर में एचआईवी एवं एड्स जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय रेड रन मैराथन का आयोजन किया गया जिसने 17 जिलों के 50 रेड रिबन क्लब महाविद्यालयों से प्रतिभागी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके साथ ही लगभग 300 से ज्यादा युवा 2 किलोमीटर की जागरूकता दौड़ का हिस्सा बने।

राज्य स्तरीय रेड रन 10 किलोमीटर के प्रथम विजेता पुरुष श्रेणी से मुकेश साहू संत गुरू घासीदास महाविद्यालय कुरूद, द्वितीय मनोज कुमार शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, जसवंत आरसीएस महाविद्यालय दुर्ग तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार अजय भास्कर हरिशंकर शुक्ल कॉलेज को मिला। इसी प्रकार महिला वर्ग में प्रथम भगवती दिग्विजय शासकीय महाविद्यालय से, द्वितीय भीमेश्वरी आरसीएस कॉलेज दुर्ग, तृतीय सानिया सिन्हा काव्योपाध्याय हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर तथा सांत्वना पुरस्कार पायल पटेल शासकीय महाविद्यालय उतई को प्राप्त हुआ।

पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि डॉ सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ खेमराज सोनवानी अतिरिक्त परियोजना संचालक छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति व नीलम सिंह अध्यक्ष सखी फाउंडेशन के द्वारा प्रथम पुरस्कार 8000, द्वितीय 6000, तृतीय पुरस्कार 4000 एवं सांत्वना पुरस्कार 2000 नगद राशि प्रदान किया गया। कार्यक्रम संचालन एवं स्वागत उद्बोधन राज्य जनसंपर्क अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना उच्च शिक्षा विभाग डॉ नीता बाजपेई ने किया। अजय कुमार सिंह संयुक्त संचालक आईईसी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में रासेयो सह रेड रिबन क्लब नोडल अधिकारी समीक्षा चंद्राकर, मोहमद हाशिम खान, क्षितिज दिवान, रमा पटेल, नीतू मंडावी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन रायपुर, पुलिस विभाग, यातायात एवं चिकित्सा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारतीय स्टेट बैंक रीजन 1 रायपुर एवं जिंदल स्टील और पावर लिमिटेड रायगढ़ के द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सड़क हादसे में युवक की मौत, ट्रेलर के पहियों के नीचे आने से गई जान; जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में शनिवार की दोपहर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मृतक के शव को अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई। मामला का है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की दोपहर 12:43 बजे लैलूंगा की तरफ से आ रहा बाइक सवार एक युवक गेरवानी के पास पहुंचा ही था, तभी स्टार ढाबा की तरफ अपनी दोपहिया वाहन मोड़ते समय वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाने की घटना से रायगढ़ की तरफ से आ रहे ट्रेलर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक अन्य युवक घायल हो गया है।

बताया जा रहा है कि बाईक सवार युवक लैलूंगा थाना क्षेत्र का रहने वाला है और उसके पास मिले डाक्यूवेंट के अनुसार उसका नाम अंकित केरकेट्टा बताया जा रहा है। वह किसी काम के सिलसिले में रायगढ़ तरफआ रहा था। इस बीच जब वह गेरवानी के पास पहुंचा ही था कि यह घटना घटित हो गई। बहरहाल सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत होने के बाद पूंजीपथरा पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर मृतक के शव को पीएम के लिये जिला अस्पताल भेजते हुए मृतक के परिजनों को घटना से अवगत कराते हुए मामले को जांच में ले लिया है।

महिला का कंकाल मिलने से मची सनसनी, पास में मिलीं टूटी चूड़ियां और चांदी के पायल

कांकेर। जिले के गढ़िया पहाड़ में एक महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। महिला के कंकाल के पास टूटी चूड़ियां और चांदी का पायल भी मिला है। पास ही साड़ी में लिपटा हुआ कंकाल मिला है। कांकेर कोतवाली पुलिस जांच में जुटी हुई है।

कांकेर कोतवाली प्रभारी मनीष नागर ने बताया कि गढ़िया पहाड़ में महिला का नरकंकाल मिला है। फोरेंसिक और डॉग स्कॉड की टीम पड़ताल कर रही है। थाने में गुम इंसान की सूचना का रिकॉर्ड खंगला जा रहा है। आगे की पहचान की कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि महिला के पैर की हड्डी में पायल और हाथ की हड्डी में टूटी हुई चूड़ियां बरामद की गई हैं। कांकेर पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। गौरतलब है कि गढ़िया पहाड़ में रोजना सैकड़ो पर्यटक पहुंचते हैं, जहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। इससे पहले भी पहाड़ पर कई घटनाएं हो चुकी हैं।

नाली में मिला युवक का शव, मृतक की नहीं हुई पहचान, पूरे इलाके में फैली सनसनी

जगदलपुर। जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के घोड़ापैगा के समीप बने नाली में रविवार की सुबह एक युवक का शव मिला। जिसके बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की पहचान के बारे में जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि पथरागुड़ा भंगाराम चौक के पास स्थित घोड़ापैगा कैंप है, जहां सीआरपीएफ जवानों के साथ ही डीआरजी, जिला बल, एसटीएफ के अलावा अन्य बल वहां मौजूद रहते हैं। रविवार की सुबह घूमने निकले जवानों ने नाली में शव को देखा। जिसके बाद अपने साथियों को मामले की जानकारी दी। जवानों ने घटना के बारे में जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची। पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुट गई है। लेकिन अभी तक मृतक की कोई भी पहचान नहीं हो पाई है। वहीं शव देखे जाने की जानकारी लगते ही आसपास के लोग भी मौके पर आ पहुंचे।

सस्ती दरों पर बोर खनन व कृषि उपकरण देने के नाम पर लाखों की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

शातिरों ने जशपुर में सरगुजा मार्ट के नाम पर खोल रखा था दफ्तर, मुख्य आरोपी महिला पहले बंद थी जेल में

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने ऐसे शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने सस्ते दरों पर बोर खनन व कृषि उपकरण देने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी की है। जशपुर जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र में एक ठगी के मामले में पुलिस इन शातिर ठगों तक पहुंची। इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महिला आरोपी ठगी के मामले में पहले से जेल में बंद थी जिसे प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया। आरोपियों में लता खूंटे निवासी गंगापुरखुर्द अंबिकापुर जिला सरगुजा, निशांत तिर्की निवासी कुंजारा थाना कुनकुरी और फ्रांसिस पन्ना निवासी जुमईकेला चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल शामिल है।

प्रार्थी महिला ने 22 अगस्त 2024 को चौकी डोकडा में उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव का रहने वाला फ्रांसिस पन्ना के द्वारा कम पैसो में बोर खोदने का टेंडर मिला है जिसकी डायरेक्टर अंबिकापुर की

लता खूंटे है तथा उस कंपनी का ब्रांचऑफिस कुनकुरी आजाद मोहल्ला में है जिसका डिप्टी डायरेक्टर निशांत तिर्की है। प्रार्थिया सरगुजा मार्ट कंपनी के एरिया मॅनेजर फ्रांसिस पन्ना की बातों में आकर 7 मई 2022 को अपनी बेटी के मोबाइल फोन से फोन पे के माध्यम से फ्रांसिस पन्ना को 40 हजार रुपए ट्रांसफर कराया। फार्म भरने 1500 रुपए बोर खनन के लिये दी है।

दो अन्य महिलाओं को भी बनाया निशाना

उसी दिन गांव की अन्य 2 महिलाओं ने भी बोर खनन के लिए 41500-41500 रुपए दिए। इन तीनों के साथ ही अन्य अलग-अलग ग्रामवासियों ने कुल रकम 3 लाख 63 हजार रुपए बोर खनन के नाम पर डिप्टी डायरेक्टर निशांत तिर्की एवं एरिया मॅनेजर फ्रांसिस पन्ना को दिये। पैसा लेने के बाद आज तक फ्रांसिस पन्ना, निशांत तिर्की, सरगुजा मार्ट कंपनी की डायरेक्टर लता खुंटे के द्वारा बोर खनन नहीं किया गया और ना ही पैसा वापस किया गया। जिससे इन तीनों के साथ साथ अन्य गांव के लोगों के साथ बोर खनन के नाम पर धोखाधड़ी किये। रिपोर्ट पर चौकी दोकड़ा में धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जशपुर एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा है कि सरगुजा मार्ट कंपनी की मुख्य डायेक्टर सरगना लता खूंटे है, जो ठगी के मामले में पूर्व से जेल में बंद है, इसके लिये भी प्रोडक्शन वारंट ले लिया गया है। जशपुर जिले के कुनकुरी में इन्होनें ऑफिस खोला था जिसका डिप्टी डायरेक्टर निशांत तिर्की एवं एरिया मैनेजर फ्रांसिस पन्ना था, इन सभी ने मिलकर क्षेत्र के लोगों को सस्ते दर पर बोर खनन के नाम पर ठगी किया गया है।

मुख्य आरोपिया को प्रोडक्शन वारंट पर किया गया गिरफ्तार

प्रकरण की विवेचना एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा चौकी प्रभारी दोकड़ा उप निरीक्षक अशोक यादव के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। विवेचना के दौरान टीम को थाना गांधी नगर अंबिकापुर जिला सरगुजा से सूचना प्राप्त हुआ कि थाना गांधी नगर अंबिकापुर के मामले में लता खुटे अम्बिकापुर जेल में निरूद्ध है। जशपुर पुलिस पुलिस ने लता खुंटे को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। वहीं आरोपी निशांत तिर्की के अंबिकापुर में मौजूद होने की सूचना मुखबीर से मिलने पर उसे अंबिकापुर से अभिरक्षा में लेकर चैकी दोकड़ा लाया गया एवं फ्रांसिस पन्ना को उसके गांव में दबिश देकर अभिरक्षा में लिया गया। दोनों आरोपियों से घटना के बारे करने पर बताया कि लोगों से बोर खनन के नाम से पैसा उगाही कर फर्जी रशीद देकर धोखाधड़ी की। फर्जी बिल बुक व धोखाधड़ी से संबंधित अन्य दस्तावेज पेश किये जिसे जब्त किया गया है। तीनों आरोपियों को 25 अगस्त 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी दोकड़ा उप निरीक्षक अशोक यादव, एएसआई रामजी साय पैंकरा, प्रधान आरक्षक प्रदीप लकड़ा, आरक्षक श्याम कुमार चौहान, आरक्षक रमेश पैंकरा, आरक्षक उपेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

एक जमीन का तीन बार सौदा, शातिर ने अलग-अलग लोगों से वसूले लाखों रुपए

श्रीकंचनपथा न्यूज

भिलाई। दुर्ग के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक शातिर ने एक जमीन का तीन लोगों से सौदा किया। सभी से उसने एडवांस राशि ले ली और तीनों को ऋण पुस्तिका भी दी। जब असलियत सामने आई तो दुर्ग के व्यापारी ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। इस मामले में दुर्ग कोतवाली पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि थाने में शिकायत होने के बाद आरोपी फरार हो गया है जिसकी तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कादंबरी नगर दुर्ग निवासी मनोहर ज्ञानचंदानी ने इस संबंध

में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 20 मई 2023 को उसने ग्राम फूलझर थाना सोमनी जिला राजनांदगांव निवासी विजय उर्फ सुमेर की कृषि भूमि जिसका खसरा नं. 159/3 एवं रकबा 2 एकड़ 2 डिसमील में से टेडेसरा फूलझर मुख्य मार्ग में स्थित 1 एकड़ भूमि का सौदा 12 लाख रुपए में तय किया। सौदा तय होने के बाद एडवांस के रूप में डेढ़ लाख रुपए विजय को देकर दो गवाहों के सामने स्टांप पर एग्रीमेंट भी किया। एग्रीमेंट के बाद विजय ने ऋण पुस्तिका भी सौंपी।

रजिस्ट्री के लिए करने लगा आनाकानी

एग्रीमेंट के बाद जब मनोहर ज्ञानचंदानी ने जब विजय से रजिस्ट्री के लिए संपर्क किया तो वह आनाकानी करने लगा। लगातार मोबाइल पर संपर्क करने पर वह कोई जवाब नहीं दे रहा था। अब तो वह नंबर देखकर मोबाइल भी रिसीव नहीं कर रहा था। मनोहर ज्ञानचंदानी जब विजय के घर जाता तो परिवार वाले कहते वह घर पर नहीं है। इसके बाद मनोहर ज्ञानचंदानी ने सौदा किए गए जमीन के बारे में पता साजी की तो उसे पता चला कि विजय जालसाज व्यक्ति है और उक्त जमीन का दो अन्य लोगों से भी सौदा किया है।

जमीन के दस्तावेज बंधक रख बैंक से भी लिया ऋण

मनोहर ज्ञानचंदानी को पता चला कि विजय ने नागरिक सहकारी बैंक राजनांदगांव से ऋण लिया हुआ है। उक्त भूमि का राजनांदगांव निवासी संजय शर्मा से भी सौदा किया और दो लाख बयाना स्वरूप ले लिया। यही नहीं शातिर विजय ने भिलाई के ही एक अन्य व्यक्ति श्रीनू बाबू से भी उक्त जमीन का सौदा कर 4 लाख 60 हजार रुपए ले लिये और उससे भी करार किया। इस प्रकार एक ही भूमि के एवज में आरोपी द्वारा तीन अलग अलग व्यक्तियों से पैसे प्राप्त लिए हैं। यही नहीं विजय द्वारा मनोहर ज्ञानचंदानी और राजनांदगांव निवासी संजय शर्मा को ओरिजनल ऋण पुस्तिका प्रदान की गई है। एक ही जमीन की दो ऋण पुस्तिका देना भी फर्जीवाड़े को दर्शाता है। संभावना यह भी है कि आरोपी द्वारा फर्जी ऋण पुस्तिका तैयार कर फर्जीवाड़ा किया गया है। फिलहाल इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिलाई में एक ही रात 2 एटीएम में तोड़फोड़ कर चुराया कैश, नाबालिग समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में उमरपोटी क्षेत्र में पंजाब नेशनल बैंक और हिताची कंपनी के एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी करने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बाइक, डंडा, पत्थर और कैश जब्त किया है। पूरा मामला नेवई थाना क्षेत्र का है।

नेवई थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि 22 अगस्त की रात नेवई भाठा से उमरपोटी जाने वाले मार्ग में स्थित हिताची कंपनी के एटीएम मशीन में कुछ लोगों ने तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने दोनों एटीएम की बारीकी से जांच की। इस दौरान उसके अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को चेक किया। जांच करने पर

पाया गया कि 3 लोगों ने वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद दोनों थानों की टीम ने अपने अपने मुखबिर को अलर्ट किया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई।

पूछताछ करने पर बताई सच्चाई

इस दौरान उन्हें पता चला कि फुटेज में दिख रहे 3 लोग खुर्सीपार थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इसमें एक आरोपी एस वंशी राव और दूसरा दीसू जगत है। उसके साथ तीसरा लड़का नाबालिग है। पुलिस ने जब तीनों को थाना लाकर पूछताछ की, तो उन्होंने अपराध करना स्वीकार किया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह लोग देर रात 12 बजे बाइक सीजी 07 सीके 7795 से उमरपोटी रोड से उतई की तरफ गए थे। उन्होंने उमरपोटी रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में गार्ड नहीं होने और आसपास का एरिया सुनसान होने पर पत्थर से उसको तोड़ा था। इस दौरान एटीएम को तोड़कर उसमें से 23000 रुपए की चोरी की थी। इसके बाद वो लोग आगे बढ़े और उमरपोटी स्वागत गेट के पास स्थित हिताची एटीएम में भी गार्ड नहीं होने पर उसमें तोड़फोड़ की। इस तरह एक ही रात को मशीनों में तोड़फोड़ की।

कमरे में अंगीठी जलाकर सो रही थी पुष्पा मंडल दम घुटने से हुई मौत; आग लगने से जला सिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर रामनुजगंज जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम संतोषीनगर पिपराही में घर में अकेले रह रही वृद्ध महिला रात में अंगीठी जलाकर सोई थी। घुटन से उसकी मौत हो गई। वहीं, आग बिस्तर में पकड़ने के बाद सिर भी बुरी तरीके से जल गया है। घटना की सूचना पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव, भाजपा नेता अमित गुप्ता मंटु सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटना पर मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

जानकारी के अनुसार, संतोषी नगर पिपराही में वृद्ध महिला पुष्पा मंडल (65) घर में अकेले रहती थी। वह खेती बाड़ी का

कार्य करती थी। रविवार रात खाना खाकर सोई थी। वहीं, उन्होंन खटिया के नीचे अंगीठी जला दी थी। बताया जा रहा है कि घर में खिड़की नहीं थी और दरवाजा बंद था। घुटन से उसकी मौत हो गई। वहीं, बिस्तर में आग पकड़ने के बाद खटिया एवं बिस्तर जलने से सिर भी बुरी तरह से जल गया। सुबह जब ग्रामवासियों ने घर से धुआं निकलते देखा तो दरवाजा खोला। दरवाजा खोलने पर घटना पता चली। गांव में बात फैलते ही सैकड़ो की संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। वहीं, पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव एवं भाजपा नेता अमित गुप्ता मंटू भी पहुंचे। इसके बाद पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची घटना पर मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया गया।

विक्षिप्त से हैवानियत : दुष्कर्म कर रहा था युवक ग्रामीणों ने मौके पर पकड़कर पुलिस को सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र में एक विक्षिप्त महिला के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विक्षिप्त महिला के साथ दुष्कर्म करते हुए शख्स को ग्रामीणों ने मौके पर पकड़ लिया। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 64(1)बीएनएस की धारा में अपराध दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मरवाही थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली विक्षिप्त महिला के साथ उसी के गांव में रहने वाले युवक परमेश्वर श्रीवास ने रात के समय दुष्कर्म किया। ग्रामीणों ने आरोपी परमेश्वर को रंगे हाथों पकड़ लिया। ग्रामीणों के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है। वहीं, पुलिस पूछताछ में आरोपी ने भी अपना

जुर्म कबूल लिया है तो पुलिस जल्द ही विक्षिप्त पीड़िता को आगामी कार्रवाई के बाद न्यायालय से आदेश लेकर मनोरोग चिकित्सालय बिलासपुर शिफ्ट करने की बात भी कह रही है। एसडीओपी दीपक मिश्रा की ने बताया कि मामला गंभीर था। तत्काल पुलिस को जानकारी मिलने पर आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जल्द ही पीड़िता को मनोरोग चिकित्सालय बिलासपुर भेजने की कार्रवाई भी की जाएगी।

केबल कर्मचारी की हत्या, शराब की बोतल से गले में वार

- बचने के लिए 100 मीटर भागा फिर भी नहीं बची जान, तारबहार थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में केबल कर्मचारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। देर रात वह शराब पीने गया था और इस दौरान उसका अपने ही साथियों के साथ विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि बदमाशों ने शराब की बोतल फोड़कर उसके गले में वार कर दिया। इसके बाद बचने के लिए युवक लगभग 100 मीटर तक दौड़ा लेकिन उसके बाद वह जमीन पर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना जिले के तारबहार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान राहुल सिंह चौहान (29) के रूप में हुई है। राहुल सिंह यहां भाटिया सिटी केबल में काम करता है। बताया जा रहा है कि रविवार की रात लगभग 11 बजे वह शराब पीने पुराना बस स्टैंड के पास गया था। यहां के हनुमान मंदिर के पास वह अपने दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। इस बीच किसी बात को लेकर उनमें विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो साथी युवकों ने शराब की बोतल तोड़कर उसके गले में वार कर दिया। बोतल गले में घुस गई और खून से लथपथ जान बचाने राहुल सिंह इधर उधर भागने लगा। लगभग 100 मीटर की दूरी तक भागने के बाद उसने दम तोड़ दिया।

आसपास के लोगों ने दी तारबहार पुलिस को सूचना

इसके बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही तारबाहर थाना प्रभारी गोपाल सतपथी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीआई ने इसकी सूचना एसपी रजनेश सिंह को दी तो वे भी एएसपी उमेश कश्यप, सीएसपी कोतवाली पूजा कुमार के साथ मौके पर पहुंचे। पंचनामा के बाद शव को पीएम लिए भेजा गया। पुलिस ने मौके पर मृतक के भाई व कुछ दोस्तों को बुलाकर पूछताछ की तो पता चला कि राहुल रविवार रात लगभग 8.30 बजे ऑफिस से निकला और घर जाने के बजाय दोस्तों के साथ बस स्टैंड शराब पीने चला गया। इस मामले में एसपी रजनेश सिंह ने कहा है कि आरोपियों की पहचान हो चुकी है और जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'पीपुल फॉर पीपल' अभियान का किया शुभारंभ

- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पीपल के पौधे का किया रोपण
- नवा रायपुर में 204.84 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में निर्माणाधीन नवीन विधानसभा परिसर में ''पीपुल फॉर पीपल'' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर स्मार्ट सिटी योजना के तहत रेलवे स्टेशन, स्मार्ट रोड, पार्किंग एवं स्मार्ट स्कूल सहित 204.84 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, खेल युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सर्व राजेश मूणत, किरण देव, पुरंदर मिश्रा, इंद्रकुमार साहू, मोती लाल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवा रायपुर अटल नगर से अन्य शहरों की कनेक्टीविटी के लिए बिछाई गई रेलवे लाईन में शहर के मध्य रेलवे स्टेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। यह स्टेशन 75 करोड़ रूपए की लागत से तैयार की गई है। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 4 रेलवे स्टेशन निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

नवा रायपुर अटल नगर में लगभग 5.3 किलोमीटर में स्मार्ट सडक एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण 35.25 करोड़ रूपए की लागत से किया गया है। 100 बस के अतिरिक्त 148 कार, टैक्सी और लगभग 250 दोपहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा 23.12 करोड़ रूपए की लागत से विकसित की गई है।

विश्वस्तरीय स्मार्ट स्कूल

राखी गांव में विश्वस्तरीय स्मार्ट शैक्षणिक व्यवस्था की सुविधा एवं वृहद बहुद्देशीय सभागार प्रदान करने के लिए 18 करोड़ रूपए हायर सेकेण्डरी स्कूल तैयार किया गया है। इससे 1200 से ज्यादा बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा का माहौल मिलेगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा हेतु 11 करोड़ रूपए की लगात से भवन निर्मित किया गया है। इस स्कूल में 950 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। नवा रायपुर अटल नगर के 11 ग्रामों में 10.35 करोड़ रूपए की लागत से प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों का उन्नयन किया गया है।

भू-संवर्धन एवं वृक्षारोपण

बागवानी कार्य में जल निकायों का विकास के लिए 16 करोड़ रूपए की लागत से मंत्रालय के निकट जल संवर्धन, नालों, तालाबों को पुनर्जीवित करना एवं वृक्षारोपण का कार्य किया गया है। इसके अलावा वर्षा जल की प्राकृतिक धाराओं को विकसित कर भू-जल स्तर को बढाने के लिए 16.12 करोड़ रूपए की लागत से आवश्यक कार्य एवं नये तालाबों का निर्माण तथा वृक्षारोपण कार्य किये गये है। जिससे लगभग 4300 स्कूली बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा।

एक लाख पौधों का होगा रोपण

नवा रायपुर अटल नगर द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान अंतर्गत ''पीपुल फॉर पीपल'' कार्यक्रम में एक लाख से अधिक स्थानीय प्रजाति के बड़े पेड़ रोपे जाएंगे। वर्तमान में 21,000 से अधिक पीपल के वृक्ष लगाये जा चुके हैं। नवा रायपुर अटल नगर का लक्ष्य है कि शहर में किसी भी स्थान पर खड़े होने पर पीपल का वृक्ष दिखाई दे। पीपल के वृक्ष के संबंध में श्रीमद भगवद्गीता में भी भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि ''वृक्षों में मैं पीपल हूं।'' पीपल का वृक्ष 100 वर्षों से अधिक एवं 24 घण्टे जीवनदायिनी वायु प्रदान करने वाला वृक्ष है। कार्यक्रम अंतर्गत युवाओं को जोड़ने एवं जन सुविधा हेतु मोबाईल एप के माध्यम से ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान अंतर्गत ''पीपुल फॉर पीपल'' में वर्चुअल एडॉप्शन की सुविधा का उपयोग कर 2000 से ज्यादा जन सामान्य सहभागी भी बन चुके हैं।

माओवाद प्रभावित क्षेत्र के युवाओं ने की अमित शाह से मुलाकात

रायपुर। माओवादी आतंक से प्रभावित बीजापुर जिले के पालनार कैम्प के आस-पास के 5 गांव के 31 युवाओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नवा रायपुर में मुलाकात की। इनमें से कई युवा पहली बार बीजापुर से निकलकर राजधानी रायपुर आये हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा एवं वनमंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित थे। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने इन बच्चों से हाल-चाल पूछा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इन बच्चों ने राजधानी रायपुर के भ्रमण के दौरान पुरखौती मुक्तागन, महानदी भवन मंत्रालय, मीवान स्टील प्लांट, मैग्नेटो मॉल, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, पुरखौती मुक्तांगन, रेलवे स्टेशन और मैग्नेटो माल का भ्रमण किया। 23 अगस्त की रात से यह युवा रायपुर पहुँचे हैं। युवा गंगरेल बांध घूमते हुए वापस बीजापुर लौट जाएँगे।

गौरतलब है कि पालनार सुरक्षा कैम्प के आस-पास के इन बच्चों के गांवों में नियद नेल्लानार योजना के तहत सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी सहित सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत सुरक्षा कैम्प के पांच किलोमीटर की परिधि के गांवों में नियद नेल्लानार योजना संचालित की जा रही है। बीजापुर जिले के सुरक्षा कैम्पों के पास के 33 गांवों में नियद नेल्लानार योजना संचालित की जा रही है। बीजापुर जिला प्रशासन की पहल पर पालनार कैम्प के पास के इन गांवों के बच्चों को राजधानी रायपुर में औद्योगिक विकास सहित रोजगार के क्षेत्र में नए नए अवसर एवं विकास की सभी गतिविधियों से परिचित कराया गया है। इससे इन युवाओं में नए उत्साह का संचार दिख रहा है। ये युवा अब रोज़गार मूलक गतिविधियों से जुड़कर अपना नया और सुंदर भविष्य बनाना चाहते हैं।

सहकारिता विस्तार पर अमित शाह ने की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में राज्य में सहकारिता के विस्तार से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में पानी समिति के रूप में प्राथमिक कृषि साख समिति का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी भी उपस्थित थे। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 'पीपल फॉर पीपुल' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण और छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण भी किया।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने के लिए देश की हर पंचायत में एक सहकारी समिति का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को संपूर्ण जनजातीय विकास के लिए एक नई पब्लिक डेयरी योजना बनानी चाहिए, जो पैक्स, डेयरी और मात्स्यिकी सहकारी संस्था का काम करेगी। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सभी 2058 'पैक्स' ने मॉडल बायलॉज़ को अपना लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का उपयोग छत्तीसगढ़ में ड्राई एरिया ढूंढने के लिए करना चाहिए, जिससे सहकारिता के विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कम्प्यूटराइज़ेशन होने के साथ ही हर 'पैक्स' को सीएससी बना देना चाहिए, जिससे 'पैक्स' द्वारा अनेक गतिविधियों का लाभ ग्रामीण जनता तक पहुंच सके।

श्री शाह ने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए एनसीसीएफ नेफेड और राज्य के बीच अनुबंध होना चाहिए जिससे किसानों को मक्के की खेती के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मक्के की खेती में लागत भी कम है और केन्द्र सरकार द्वारा किसानों का सारा मक्का अच्छे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि किसानों के कृषि उत्पाद की बिक्री के लिए 'पैक्स' द्वारा नेफेड और एनसीसीएफ पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीकरण होना चाहिए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हर मंडी के हर व्यापारी, 'पैक्स' और सहकारी संस्था का खाता ज़िला सहकारी बैंक में खोलना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ में 4 सहकारी चीनी मिलें हैं, जिनमें से सिर्फ एक मिल में इथेनॉल उत्पादन प्लांट है। श्री शाह ने कहा कि बाकी 3 सहकारी चीनी मिलों में 6 महीने के अंदर मल्टी-फीड इथेनॉल उत्पादन प्लांट लगाए जाएं, जिससे मक्का, गन्ना आदि से इथेनॉल उत्पादन किया जा सके, इसमें केन्द्र सरकार मदद करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मक्के और दलहन की खेती को बढ़ावा देने की ज़रूरत है और इसके लिए राज्य के कृषि विभाग को पहल करनी चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ के 33 ज़िलों में कुल 6 ज़िला सहकारी केन्द्रीय बैंक हैं और निकट भविष्य में राज्य में 'पैक्स' के विस्तार को ध्यान में रखते हुए कम से कम 4 और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की स्थापना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और जनजातीय लोगों के आर्थिक विकास के लिए व्होल ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच के तहत राज्य सरकार के पशुपालन, कृषि, जनजातीय मामले और सहकारिता विभागों को मिलकर काम करना चाहिए।

पीएम जनमन योजना से सपने हो रहे पूरे

पहाड़ी कोरवा, बिरहोर परिवारों को मिल रहा पक्का मकान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर एक व्यक्ति का सपना होता है कि उनका अपना एक पक्का मकान हो, जिसे पूरा करने के लिए वह आजीवन परिश्रम करता है लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए स्वयं का पक्का मकान बना पाना एक सपने ही रह जाता है। ऐसे में उस सपने को भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास के जरिये साकार किया जा रहा। ऐसी ही एक कहानी जशपुर जिले के जनपद पंचायत मनोरा के ग्राम पंचायत करदना (छतौरी) से है, जहां राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा जो ज्यादातर घने जंगलो में पेड़, पत्ते एवं छाल से झोपड़ी बनाकर निवास करते थे, जिन्हें बरसात के मौसम में प्रतिवर्ष टपकते छत एवं सांप-बिच्छू की समस्या रहती थी। जिसके कारण उन्हें जीवन-यापन करना एक चुनौती थी। ऐसे में भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना एक वरदान साबित हुई है। जिसके तहत ग्राम पंचायत करदना में कुल 30 पहाड़ी कोरवा परिवार का सर्वे कर वर्तमान में 16 आवास का स्वीकृति प्रदान कर 12 आवास पूर्ण कर लिया गया एवं 4 आवास निर्माणाधीन है।

योजना का बेहतर क्रियान्वयन

इन सभी हितग्राहियों को शासन की समस्त योजनाओं का लाभ दिलाने एवं मुख्यधारा से जोड़ने हेतु एक स्थान पर व्यवस्थित तरीके से व्यवस्थापन कर एक सुविधायुक्त कॉलोनी का निर्माण किया गया है। जिसमें प्रथम चरण में पीएम जनमन आवास का निर्माण किया जा रहा है एवं कॉलोनी में समस्त पहाड़ी कोरवा परिवारों हेतु व्यक्तिगत शौचालय, जीवन-यापन हेतु सभी परिवारों को मुर्गी/बकरी शेड की स्वीकृति दी जा रही है। मुख्य मार्ग से कॉलोनी तक पहुंचने के सीसी रोड़ की स्वीकृति एवं कॉलोनी में सोलर स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था किया जा रहा है।

बुनियादी सुविधाओं का मिल रहा लाभ

यहां उल्लेखनीय है कि देश में पहली बार इन विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना बनाई गई है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू की थी। छत्तीसगढ़ में इस योजना पर तेजी से क्रियान्वयन हो रहा है। पीएम जनमन योजना की क्रियान्वयन से जशपुर जिले में रह रहे बिरहोर, पहाड़ी कोरवा लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो गया है। घास-फूस के घरों की जगह इन परिवारों को पक्के घर दिए जा रहे हैं। इन जनजाति समुदाय लोग अब अपने परिवार के साथ एक सुन्दर से पक्के घर में रह रहे हैं और यह सब संभव हुआ पीएम जन-मन योजना से।

पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पहुंच रही मूलभूत सुविधाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने व उन्हें बेहतर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने शासन-प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इन्हें पीएम जनमन योजना के तहत बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। राज्य के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की बस्तियों और पीवीटीजी परिवारों तक योजनाओं को पहुंचने के उद्देश्य से योजना संचालित किए जा रहे है। जिसका सुखद और सकारात्मक परिणाम मिल रहा है। इसके साथ ही समुदाय के लोगों स्वास्थ्य, शिक्षा और सफाई के प्रति जागरूक को किया जा रहा। इसी कड़ी में जशपुर जिला के मनोरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरसीली बसाहट किंदरा पाठ में पहाड़ी कोरवा समुदाय के लोगों के साथ बैठक कर चर्चा किया गया।

पहलवान टोली को मिली लो वोल्टेज से निजात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप दूरस्थ क्षेत्रों में भी बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा जैसी मलभूत सुविधाएं लोगों को सहज ही प्राप्त हो इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इनमें से एक ग्रामीण अंचलों में भी बिजली का सुचारू रूप से संचालन हो इसके लिए विद्युत विभाग दिन हो या रात प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिला के फरसाबहार ब्लॉक के ग्राम सिंगीबहार के पहलवान टोली में 63 केव्ही ट्रांसफार्मर का एक ही फेस काम कर रहा था। जिसकी वजह से लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई थी। लोगों के आशा का केंद्र बने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में ग्रामीणों ने इससे निजात के लिए आवेदन किया। कैंप कार्यालय के निर्देश पर तत्काल खराब ट्रांसफार्मर को बदल दिया गया। इसी तरह कैंप कार्यालय के निर्देश पर ही फरसाबहार के नेगीटोली में 25 केव्ही का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। इससे विद्युत आपूर्ति फिर से बहाल हो गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में ही बिजली व्यवस्था का निर्बाध गति से संचालन के लिए दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में ट्रांसफॉर्मर, केबल और ग्रिप चेंज का कार्य किया गया था। अंतर्गत ग्राम पंचायत पगुराबहार में 25 केव्ही का ट्रांसफार्मर और केबल लगा दिया गया था।

मदर टेरेसा की जयंती पर सीएम साय ने किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित भारतरत्न मदर टेरेसा की जयंती 26 अगस्त पर उन्हें नमन किया है। मदर टेरेसा के अमूल्य योगदान को याद करते हुए श्री साय ने कहा है कि मदर टेरेसा ने मानवता की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने दीन-दुखियों,अनाथ और असहाय लोगों का सहारा बनकर पूरी दुनिया को सेवा और शांति का पाठ पढ़ाया। उनके स्नेह और समर्पण के कारण लोगों ने उन्हें मदर का दर्जा दिया। सेवा के क्षेत्र में वह इतनी ऊंची उठ गईं कि उन्हें संत की उपाधि से सम्मानित किया गया। श्री साय ने कहा कि मदर टेरेसा का जीवन हमेशा लोगों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

कृष्ण जन्माष्टमी की दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने सबके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण हमें जीवन जीने का सही राह बताते हैं। उनके उपदेश जीवन की हर परिस्थिति के लिए प्रासंगिक है।

महतारी योजना ने बदल दी ध्वजा बाई की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के पाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम हरनमुड़ी की 70 वर्षीय वृद्धा ध्वजा बाई को कुछ माह पहले तक अपनी छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति के लिए कुछ लोगों से पैसे मांगने की आवश्यकता पड़ती थी।

कई बार कुछ रूपए के लिए उन्हें लंबा इंतजार भी करना पड़ता था। अब जबकि महतारी वंदन योजना से हर महीने खाते में 1 हजार रूपए समय पर मिल जाते हैं तो वृद्धा ध्वजा बाई को किसी के आगे रूपए के लिए हाथ फैलाने जैसी नौबत नहीं आती है।

ग्राम हरनमुड़ी की वृद्धा ध्वजा बाई ने बताया कि उम्र के साथ ही उन्हें कुछ भी काम करने में परेशानी है। वह किसी तरह छोटे-मोटे घरेलू काम कर लेती है। उन्होंने बताया कि विगत माह महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का आहरण किया है। इस राशि का उपयोग अपने उपचार और बीमारी के दौरान दवा, फल आदि में किया है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू किए जाने के बाद हम जैसी वृद्ध महिलाओं के लिए यह वरदान साबित हो रही है। हर महीने खाते में 1 हजार की राशि प्राप्त हो जाती है, इससे छोटी-मोटी जरूरतें हम पूरी कर लेते हैं।

उन्होंने महतारी वंदन योजना लागू किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र की गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को बहुत लाभ पहुंचने की बात कही और इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के प्रति आभार भी प्रकट किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950